RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

वर्ष-11 अंक:167 ता. 28 दिसम्बर 2022, बुधवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

कोडरमा-गया रेलखंड पर मालगाड़ी के तीन डिब्बे पटरी से उतरे, परिचालन बाधित

पटना। पूर्व मध्य रेलवे (ईसीआर) के धनबाद मंडल के कोडरमा-गया रेलखंड के बीच टनकुप्पा स्टेशन पर आज तड़के मालगाड़ी के तीन डिब्बों के पटरी से उतर जाने के कारण अप लाइन पर ट्रेनों का परिचालन बाधित हो गया है।

ईसीआर के मुख्य जनसंपर्क पदाधिकारी वीरेंद्र कुमार ने बताया कि कोडरमा-गया रेलखंड के बीच टनकुप्पा स्टेशन पर मंगलवार तड़के 03.15 बजे प्वाइंट संख्या 51/एबी अप लाइन पर मालगाड़ी के 03 वैगन के अवपथन के कारण अप लाइन पर ट्रेनों का परिचालन बाधित है। गोमो एवं गया से दुर्घटना राहत यान पहुंच चुका है।

श्री कुमार ने बताया कि इस दुर्घटना के कारण कई ट्रेनों का परिचालन प्रभावित हुआ है । इनमें 13305/13306 धनबाद-डेहरी ऑन सोन-धनबाद इंटरसिटी और 13553 आसनसोल-वाराणसी एक्सप्रेस को रद्द किया गया है जबकि 13009 हावड़ा- योगनगरी ऋषिकेष दून एक्सप्रेस, 12311 हावड़ा-कालका मेल, 12938 हावड़ा-गाँधीधाम एक्सप्रेस, 12825 राँची-आनंद विहार टर्मिनस एक्सप्रेस, 22307 हावड़ा-बीकानेर एक्सप्रेस, 2321 हावड़ा-छत्रपति महाराज शिवाजी टर्मिनस एक्सप्रेस और 12987 सियालदह-अजमेर सुपर फास्ट एक्सप्रेस का मार्ग परिवर्तिन वाया नेताजी सुभाष चंद्र बोस स्टेशन गोमो-धनबाद- प्रधान खंटा- कुलटी-झाझा-पटना-पंडत दीन दयाल उपाध्याय जं. होकर किया गया है ।

मुख्य जनसंपर्क अधिकारी ने बताया कि यात्रियों की सुविधा के लिए हेल्पलाइन नंबर भी जारी किया गया है। यात्री गया में 9771427494, डीडीयू में 7388898100, कोडरमा स्टेशन में 9262695207, नेसुचबो गोमो में 9471191511 और धनबाद में 8102928627 नंबर पर संपर्क कर सकते हैं ।

2024 में इस सीट से चुनाव लड़ेंगी प्रियंका गांधी! कांग्रेस के प्लान का हुआ खुलासा

प्रियंका गांधी ने हिमाचल प्रदेश में विधानसभा चुनाव के दौरान जमकर प्रचार किया था और इसका फायदा कांग्रेस पार्टी को मिला. हिमाचल में कांग्रेस की जीत के बाद पार्टी अगले लोकसभा चुनाव में राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा के बीच जिम्मेदारी बांटने की रणनीति पर काम कर रही है. कांग्रेस के केंद्रीय नेताओं के बेहद करीबी पत्रकार हिसाम सिद्दीकी कहते हैं कि राहुल गांधी दक्षिण भारत की जिम्मेदारी संभालेंगे और केरल की वायनाड सीट से लोकसभा का चुनाव लड़ सकते हैं,

नई दिल्ली। साल 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव के लिए कांग्रेस खास प्लान बना रही है. कांग्रेस पार्टी अगले लोकसभा चुनाव में राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के बीच जिम्मेदारी बांटने वाली है. बताया जा रहा है कि राहुल दक्षिण भारत की जिम्मेदारी संभालेंगे, जबकि प्रियंका गांधी उत्तर भारत में पार्टी की कमान संभालेंगी. बता दें कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा नए साल में उत्तर प्रदेश में प्रवेश करेगी और यहां तीन दिनों तक चलेगी. इस यात्रा में राहुल गांधी के साथ प्रियंका गांधी भी शामिल होंगी.

लोकसभा चुनाव में इस सीट से चुनाव लड़ेंगी प्रियंका गांधी!

प्रियंका गांधी ने हिमाचल प्रदेश में विधानसभा चुनाव के दौरान जमकर प्रचार किया था और इसका फायदा कांग्रेस पार्टी को मिला. हिमाचल में कांग्रेस की जीत के बाद पार्टी अगले लोकसभा चुनाव में राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा के बीच जिम्मेदारी बांटने की रणनीति पर काम कर रही है. कांग्रेस के केंद्रीय नेताओं के बेहद करीबी पत्रकार हिसाम सिद्दीकी कहते हैं कि राहुल गांधी दक्षिण भारत की जिम्मेदारी संभालेंगे और केरल की वायनाड सीट से लोकसभा का चुनाव लड़ सकते हैं, जबकि प्रियंका उत्तर भारत में पार्टी की कमान संभालेंगी और रायबरेली सीट से चुनाव लड़ सकती हैं.

उत्तर भारत में भी सक्रिय रहेंगे राहुल गांधी

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी दक्षिण भारत की जिम्मेदारी संभालेंगे, इसका मतलब यह नहीं है कि वो उत्तर भारत के राज्यों में प्रचार नहीं करेंगे. वह उत्तर भारत में भी प्रचार करेंगे, हालांकि कमान उनकी बहन प्रियंका गांधी के हाथ में होगी. पार्टी के नेताओं के अनुसार, कांग्रेस पार्टी इस बार उत्तर प्रदेश पर फोकस करना चाहती है और प्रियंका गांधी अब पूरी तरह से यूपी में पार्टी को मजबूत करने में जुटेंगी.

बीजेपी की रणनीति को ध्वस्त करने में जुटेंगी प्रियंका

प्रियंका गांधी की पीआर टीम के लोगों का भी दावा है कि राहुल गांधी अब दक्षिण भारत में और प्रियंका गांधी उत्तर प्रदेश सहित पूरे उत्तर में कमान संभालेंगी. प्रियंका गांधी लखनऊ और दिल्ली में रहते हुए भारतीय जनता पार्टी की रणनीति को ध्वस्त करने में जुटेंगी. उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों में भले की कांग्रेस पार्टी को लाभ नहीं हुआ, लेकिन प्रियंका गांधी की मेहनत में कोई कमी नहीं रही थी. पार्टी नेताओं का कहना है कि प्रियंका गांधी के कमान संभालने पर पार्टी को यूपी सहित पूरे उत्तर भारत में लाभ होगा. वहीं, राहुल गांधी के चलते दक्षिण भारत में पार्टी का परचम फहराएगा.

● राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा नए साल में उत्तर प्रदेश में प्रवेश करेगी और यहां तीन दिनों तक चलेगी।

अनाकापल्ली में दवा कंपनी की लैब में आग, चार की मौत, एक घायल

पुलिस के मुताबिक, घटना में घायल हुए व्यक्ति को पास के ही अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया गया है कि यह घटना उस वक्त हुई, जब कंपनी की बिल्डिंग में मेंटेनेंस का काम जारी था।

अमरावती। आंध्र प्रदेश के अनाकापल्ली स्थित एक दवा कंपनी में सोमवार देर शाम आग लग गई। बताया गया है कि आग परवादा लॉरस फार्मा लैब्स लिमिटेड कंपनी की प्रयोगशाला में लगी। इस आग की चपेट में आने से चार लोगों की मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हुआ है। पुलिस के मुताबिक, घायल को पास के ही अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया गया है कि यह घटना उस वक्त हुई, जब कंपनी की बिल्डिंग में मेंटेनेंस का काम जारी था। राज्य के उद्योग मंत्री अमरनाथ ने कहा कि घायल व्यक्ति का इलाज जारी है और उन्होंने इस घटना की सूचना मुख्यमंत्री जगनमोहन रेड्डी को दे दी है। मंत्री ने बताया कि मुख्यमंत्री ने मृतकों के परिवारों के लिए 25 लाख रुपये मुआवजे का एलान किया है। इसके अलावा घायल व्यक्ति के इलाज और उसकी आर्थिक मदद के लिए अधिकारियों को निर्देश दे दिए हैं। सरकार ने इस घटना की वजह का पता लगाने के लिए एक जांच भी बिठा दी है।

बॉर्डर पर पाकिस्तान ने खूब की हिमाकत

सालभर में तीन गुना बढ़ी घुसपैठ; पंजाब में सर्वाधिक

नई दिल्ली। पिछले एक साल में भारत-पाकिस्तान सीमा पर ड्रोन देखे जाने की घटनाओं में तीन गुना वृद्धि हुई है। साल 2021 में 104 ड्रोन देखे गए थे जबकि इस साल 23 दिसंबर तक पाकिस्तान से आनेवाले ऐसे मानवरहित एरियल वाहनों (यूएवी) की संख्या 311 हो गई।

सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) द्वारा जुटाए गए आंकड़े के अनुसार, इस साल ड्रोन देखे जाने की घटनाएं 2020 की तुलना में चौगुनी हो गई हैं। साल 2020 में 77 यूएवी देखे गए थे। बीएसएफ 3,323 किलोमीटर लंबी भारत-पाकिस्तान सीमा की निगरानी करती है। ज्ञात है कि पाकिस्तान से आनेवाले ड्रोन हथियारों और गोला-बारूद की तस्करी का एक प्रमुख स्रोत हैं। साथ ही ये भारत में ड्रग्स भी लाते हैं।

बल ने बताया कि सतर्क बीएसएफ कर्मियों ने ऐसे 22 से अधिक ड्रोन को मार गिराया और लगभग 45 किलोग्राम हेरोइन और हथियारों और गोला-बारूद का जखीरा जब्त किया - जिसमें सात ग्रेनेड, दो मैगजीन, 60 गोला-बारूद और अन्य हथियार शामिल थे।

● बल ने बताया कि सतर्क बीएसएफ कर्मियों ने ऐसे 22 से अधिक ड्रोन को मार गिराया और लगभग 45 किलोग्राम हेरोइन और हथियारों और गोला-बारूद का जखीरा जब्त किया

इस साल 1 जनवरी, 2020 से इस साल 23 दिसंबर तक भारत-पाकिस्तान सीमा पर देखे गए कुल 492 यूएवी या ड्रोन में से इस साल 311, 2021 में 104 और 2020 में 77 देखे गए। इनमें से 369 यूएवी पंजाब में, 75 जम्मू में, 40 राजस्थान में और 8 गुजरात में देखे गए। पंजाब में सबसे अधिक 164 ड्रोन अमृतसर में, 96 गुरदासपुर में, 84 फिरोजपुर में और 25 अबोहर जिले में देखे गए। जम्मू फ्रंटियर के तहत, इंद्रेश्वर नगर में कुल 35, जम्मू में 29 और सुंदरबनी में 11 ड्रोन देखे गए। राजस्थान के श्री गंगानगर में 32, बाड़मेर में सात, बीकानेर और जैसलमेर उत्तर में तीन-तीन, जैसलमेर दक्षिण में दो और गुजरात के भुज में एक ड्रोन देखा गया।

आंकड़ों से यह भी पता चला कि इस साल 1 जुलाई से 23 दिसंबर के बीच कुल 206 ड्रोन देखे गए। उनमें से अधिकतम 45 ड्रोन अगस्त में देखे गए, इसके बाद सितंबर में 44, अक्तूबर में 38, नवंबर में 36 और दिसंबर में 24 ड्रोन देखे गए।

बीएसएफ के अधिकारियों ने बताया कि सीमा पार हथियारों, विस्फोटकों और नशीले पदार्थों की तस्करी के लिए पाकिस्तान द्वारा ड्रोन का इस्तेमाल किया जा रहा है।

पहाड़ से मैदान तक हाड़ कंपाने वाली ठंड का कहर

शीतलहर के बीच अगले 48 घंटे मौसम होगा प्रचंड

नई दिल्ली। उत्तर भारत में कड़ाके की ठंड का कहर जारी है। गिरते तापमान की वजह से लोगों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। आईएमडी ने अगले 48 घंटे मैदानों में बारिश और पहाड़ में बर्फबारी का अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के अनुसार, राजस्थान के चुरु में रविवार रात पारा शून्य डिग्री सेल्सियल दर्ज किया गया। वहीं, हरियाणा और पंजाब में नौरनौल सबसे ठंडा स्थान रहा। यहां का न्यूनतम तापमान 2.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसके अलावा दिल्ली एनसीआर और उत्तर प्रदेश में ठंड के साथ-साथ लोगों को कोहरे का भी सामना करना पड़ा।

माउंट आबू में बर्फबारी-उत्तर भारत के राजस्थान में शीतलहर का प्रकोप सबसे ज्यादा देखने के मिल रहा है। माउंट आबू में बर्फबारी के चलते यहां पारा लुढ़का है। मौसम विभाग के अनुसार, बीती रात फतेहपुर में न्यूनतम तापमान शून्य से 1.5 डिग्री सेल्सियस नीचे रहा, जबकि पिलानी मे 0.2 डिग्री, करौली में 0.5 डिग्री, सीकर में एक डिग्री और बीकानेर में 2.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

हरियाणा में ठंड का कहर-इसी तरह हरियाणा के हिसार में न्यूनतम तापमान 2.5 डिग्री सेल्सियस, अंबाला में 7.7 डिग्री सेल्सियस और पंजाब के बठिंडा में न्यूनतम तापमान 3.6 डिग्री सेल्सियस, फरीदकोट में छह डिग्री सेल्सियस और गुरदासपुर में न्यूनतम तापमान 4.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसके अलावा चंडीगढ़ का न्यूनत तापमान 7.4 डिग्री सेल्सियस रहा।

हिमाचल और उत्तराखंड में भी कोरोना एडवाइजरी जारी

नई दिल्ली। चीन में कोरोना से हालात काफी बदतर हो गए है। यहां प्रतिदिन लोग संक्रमित का शिकार हो रहे हैं, जिसके कारण अस्पतालों में न तो मरीजों के लिए बेड बचे हैं और न ही दवाइयां। हालात इतने खराब है कि अब चीन के शहरों में स्थित ब्लड बैंक्स में खून की भारी कमी हो गई है। ब्लड बैंक में लगातार हो रही खून की कमी को लेकर चीन ने रेड अलर्ट जारी कर दिया है। कोरोना मामलों में बढ़ोतरी के लिए जिम्मेदार ओमिक्रोन का सब वेरिएंट बीएफ 7 अब भारत में भी पहुंच गया है। विदेश से भारत लौट रहे लोग कोरोना से संक्रमित मिल रहे हैं जिसको देखते हुए अब भारत सरकार भी अलर्ट हो गया है।

नए साल को देखते हुए निर्देश जारी

नए साल को आने में केवल 4 दिन बचे है और इस दौरान हर राज्य में जश्न मनाया जाएगा। इसी के मद्देनजर अब राज्य सरकारें भी अपने लोगों को सतर्क और सावधान रहने के कड़े दिशा-निर्देश जारी कर रही है। कर्नाटक सरकार ने नए साल को देखते हुए एडवाइजरी जारी कर दी है। कर्नाटक सराकर ने बंद जगह जैसे रेस्तरां, पब, थिएटर, स्कूल और कालेज जैसी जगहों पर मास्क लगाना अनिवार्य कर दिया है।

नए साल का जश्न केवल रात के 1 बजे तक-कर्नाटक में नए साल का जश्न केवल रात के 1 बजे तक ही मनाने की मंजूरी दी गई है। कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री के. सुधाकर ने कहा, घबराने की जरूरत नहीं है, लेकिन हमें अभी से सावधानी बरतनी होगी। कर्नाटक सरकार की ताजा एडवाइजरी के मुताबिक, गर्भवती महिलाओं, बच्चों, बुजुर्ग नागरिकों और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं वाले लोगों को सार्वजनिक समारोहों में जाने से बचने की सलाह दी गई है। इसके अलावा नए साल में होने वाला कोई भी कार्यक्रम जो इनडोर मनाया जाएगा, वहां लोगों की संख्या उपलब्ध सीटों से अधिक नहीं होने के निर्देश दिए है।

राजधानी दिल्ली का क्या है हाल?

राजधानी दिल्ली में कोरोना की स्थिति को लेकर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल भी एक्शन में आ गए है। समाचार एजेंसी एएनआइ की एक रिपोर्ट के मुताबिक, 26 दिसंबर को दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कोरोना को लेकर एक समीक्षा बैठक की। उन्होंने सरकारी अस्पतालों को कोविड की तैयारियों को बढ़ाने का निर्देश दिया है। वहीं केजरीवाल ने भी कोविड की स्थिति पर एक आपात बैठक की थी, जिसमें उन्होंने बताया था कि दिल्ली में अब तक ओमिक्रोन का सब वेरिएंट बीएफ 7 का एक भी केस नहीं मिला है।

पार्टी हब गोवा में क्या है तैयारियां?

कोरोना को देखते हुए गोवा सरकार ने भी नए साल के जश्न को देखते हुए अलर्ट पर है। फिलहाल राज्य सरकार ने किसी भी तरह की कोविड संबंधी पाबंदियों को लागू नहीं किया है। गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने अपनी एक उच्च स्तरीय बैठक के बाद घोषणा की कि 1 जनवरी, 2023 तक कोई भी एडवाइजरी जारी नहीं की जाएगी।

हिमाचल और उत्तराखंड का क्या है माहौल-नए साल का जश्न मनाने के लिए हर साल लाखों की संख्या में लोग हिमाचल और उत्तराखंड पहुंचते है। ऐसे में राज्य सरकारों की चुनौतियां भी बढ़ गई है। हिमाचल सरकार ने कोविड प्रतिबंध लगाए हैं, जिसके तहत लोगों को मास्क पहनना और सोशल डिस्टेंसिंग के नियमों का पालन करने को कहा है। वहीं उत्तराखंड में प्रशासनिक अधिकारियों ने मास्क के इस्तेमाल और सोशल डिस्टेंसिंग के पालन करवाने के निर्देश दिए हैं। इसके अलावा ऑक्सीजन सिलेंडर्स की ठीक से जांच करने के भी निर्देश जारी किए जाएंगे।

दिल्ली को नए साल 2023 में मिल सकती है इन 4 एक्सप्रेसवे की सौगात

⏮ खत्म होगा जाम का झाम

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली को परिवहन के लिहाज से नए साल में बड़ी सौगात मिलने जा रही है। चार एक्सप्रेसवे को 2023 में यातायात के लिए खोला जाएगा। वहीं, तीन अहम अंडरपास भी शुरू किए जाएंगे। इनसे रिंग रोड और अन्य मार्गों पर जाम का झंझट खत्म होगा। मौजूदा समय में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय दिल्ली को जाम से निजात दिलाने के लिए करीब 60 हजार करोड़ की परियोजनाओं पर काम कर रहा है, जिसमें से चार वर्ष 2023 में तैयार हो जानी हैं। लोक निर्माण विभाग भी रिंग रोड और अन्य प्रमुख मार्गों पर जाम कम करने के लिए फ्लाईओवर और अंडरपास तैयार करा रहा है, जिनमें से तीन फ्लाईओवर आने वाले वर्ष में यातायात के लिए खोल दिए जाएंगे।

द्वारका एक्सप्रेसवे-दिल्ली-हरियाणा बॉर्डर पर जाम को खत्म करने के लिए दिल्ली-जयपुर नेशनल हाईवे-48 के बाईपास के तौर पर 29 किमी लंबे द्वारका एक्सप्रेसवे का निर्माण चल रहा है। अगस्त 2023 तक आठ लेन के एक्सप्रेसवे को बनाने में 6.3 किलोमीटर की देश की पहली सबसे लंबी अर्बन टनल भी बनाई जा रही है।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे - हरियाणा के सोहना से राजस्थान के दौसा तक 276 किमी लंबे आठ लेन के एक्सप्रेसवे का काम अंतिम चरण में है। फरवरी 2023 तक इसे शुरू कर दिया जाएगा। इसे ईस्टर्न और वेस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे से जोड़ा गया है। आश्रम अंडरपास के पास से दिल्ली-मुंबई कनेक्टर बनाया जा रहा है जो मार्च 2024 तक बनकर तैयार होगा।

अर्बन एक्सटेंशन रोड- दिल्ली-चंडीगढ़, दिल्ली-द्वारका, दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे व इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को जोड़ने के लिए 75.5 किलोमीटर लंबी अर्बन एक्सटेंशन रोड-2 का निर्माण तेजी से चल रहा है। अगस्त 2023 तक छह लेन के अर्बन एक्सटेंशन रोड को तैयार करने का लक्ष्य है। अर्बन एक्सटेंशन रोड बनने से वाहन दिल्ली के अंदर आए बिना ही बाहर निकल सकेंगे।

दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे दिसंबर तक बनेगा-अक्षरधाम मेट्रो स्टेशन से गीता कॉलोनी और यूपी बॉर्डर के रास्ते लोनी और बागपत होते हुए 210 किलोमीटर लंबा दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे तैयार किया जा रहा है। इसके दो चरणों का काम एनएचएआई की दिल्ली यूनिट करा रही है, जिनका करीब 30 फीसदी से अधिक काम पूरा हो चुका है। छह लेन का एक्सप्रेसवे सीधे आईटीओ, सिग्नेचर ब्रिज, आईएसबीटी कश्मीरी गेट और दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे से जुड़ेगा। इसे दिसंबर 2023 तक पूरा किया जाना है।

आश्रम फ्लाईओवर- एम्स से डीएनडी की तरफ आने-जाने वाले वाहनों को जाम से निजात दिलाने के लिए फ्लाईओवर का निर्माण चल रहा है। अभी तक करीब 70 फीसदी काम पूरा हो गया है। फरवरी 2023 के अंत तक फ्लाईओवर को यातायात के लिए खोला जाएगा।

सराय काले खां अंडरपास -रिंग रोड के रास्ते आईटीओ से आश्रम की तरफ जाने वालों को सराय काले खां रेलवे स्टेशन और बस अड्डे के सामने जाम झेलना पड़ता है। अक्तूबर 2023 अंडरपास बनने से जाम से राहत मिलेगी।

शीतलहर की चपेट में राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली कोहरे ने सड़क और रेल यातायात पर लगाया ब्रेक

नई दिल्ली । दिल्लीवासियों की मंगलवार की सुबह सर्द रही और घने कोहरे के कारण शहर के कुछ इलाकों में विजिबिलिटी कम रही जिससे सड़क और रेल यातायात प्रभावित हुआ। मौसम विज्ञान (मेट) कार्यालय ने कहा दिल्ली में न्यूनतम तापमान 7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग कार्यालय ने कहा कि घने कोहरे की एक परत और उत्तर से मध्यम बफीर्ली ठंडी हवाएं तापमान में इस भारी गिरावट के लिए जिम्मेदार है। मेट कार्यालय ने कहा ठंडी हवाएं उत्तर-पश्चिम भारत में जारी रहेंगी। हालांकि कोहरे की तीव्रता में कमी आ सकती है जिससे दिन के तापमान में मामूली वृद्धि हो सकती है और पश्चिमी उत्तर प्रदेश दिल्ली और हरियाणा के कुछ हिस्सों में शीतलहर में कमी आ सकती है। न्यूनतम तापमान में भी मामूली वृद्धि हो सकती है। उन्होंने कहा पश्चिमी हिमालय के ऊपरी इलाकों में हल्की बर्फबारी हो रही है।30 और 31 दिसंबर के आसपास एक और पश्चिमी विक्षोभ की संभावना है। उस दौरान मध्यम बर्फबारी संभव है। नए साल की पूर्व संध्या पर तापमान में एक बार फिर गिरावट आ सकती है। राष्ट्रीय राजधानी के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे के अधिकारियों ने मंगलवार तड़के एक एडवाइजरी जारी की और कहा कि उन्होंने लोगों से अनुरोध किया है कि वे फ्लाइट शेड्यूल की अपडेट जानकारी के लिए अपने सर्विस प्रोवाइडर से संपर्क करें। हवाई अड्डे के अधिकारियों ने एक ट्वीट में कहा लैंडिंग और टेक-ऑफ जारी रहने के दौरान कम विजिबिलिटी ऑपरेशन के लिए उड़ानें प्रभावित हो सकती हैं। यात्रियों से अनुरोध है कि वे अपडेट फ्लाइट्स की जानकारी के लिए संबंधित एयरलाइन से संपर्क करें। आईएमडी ने कहा हल्की हवा और निचले क्षोभमंडल स्तरों में उच्च नमी के कारण अगले 48 घंटों के दौरान उत्तराखंड पंजाब हरियाणा चंडीगढ़ और दिल्ली और पश्चिम राजस्थान के कुछ हिस्सों में घना कोहरा जारी रहने वाला है।

जगन्नाथ मंदिर की सीढ़ियां चढ़ते करीब 6 लड़कियां भगदड़ जैसी स्थिति में फंसीं

पुरी। ओडिशा में पुरी के श्री जगन्नाथ मंदिर में रात में करीब 8 बजे मंदिर जाने के लिए 22 सीढ़ियां चढ़ते समय करीब 6 लड़कियां भगदड़ जैसी स्थिति में फंस गईं और बेहोश हो गईं। जगन्नाथ मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ थी। घायल लड़कियों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस अधिकारियों ने यह जानकारी दी। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि मयूरभंज जिले में रासगोविंदपुर इलाके के हृदानंद उच्च विद्यालय के लड़के और लड़कियों का 70 सदस्यीय समूह क्रिसमस की छुट्टियों के दौरान पुरी में पिकनिक मनाने आया है। ये लड़कियां उसी समूह का हिस्सा थीं। अधिकारी ने कहा कि विद्यार्थी दिन में समुद्र तट पर घूमने गए और घर लौटने की तैयारी करने से पहले शाम को पुरी मंदिर गए थे। मंदिर के एक अधिकारी ने बताया कि रात करीब आठ बजे मंदिर जाने के लिए 22 सीढ़ियां (बाईसी पहाचा) चढ़ते समय लड़कियां भगदड़ जैसी स्थिति में फंस गईं और बेहोश हो गईं। मंदिर में दिनभर श्रद्धालुओं की भीड़ थी। घायल लड़कियों को बचा लिया गया और स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। उपचार करने वाले चिकित्सक ने कहा कि छात्राओं की हालत स्थिर है।

तारिगामी ने कहा- कश्मीरी पंडित कर्मचारियों को चेतावनी मुद्दों को जटिल बना देगी

जम्मू। कश्मीर से कहीं और स्थानांतरित करने की मांग कर रहे प्रदर्शनकारी कर्मचारियों से बातचीत का सुझाव देते हुए माकपा के वरिष्ठ नेता एम वाई तारिगामी ने जोर दिया कि चेतावनी मुद्दों को सुलझाने के बजाय उन्हें जटिल बना सकती है। मई में अपने सहयोगियों राहुल भट्ट और रजनी बाला की आतंकवादियों द्वारा हत्या किए जाने के बाद सैकड़ों प्रवासी कश्मीरी पंडित एवं आरक्षित श्रेणी के सैंकड़ों कर्मचारी घाटी में अपनी नियुक्ति के स्थानों को छोड़ कर जम्मू में डेरा डाले हुए हैं। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने पिछले हफ्ते कहा था कि कश्मीर में कश्मीरी पंडितों सहित अल्पसंख्यक समुदाय के कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी जरूरी उपाय किए गए हैं और स्थानांतरण की मांग करने वालों को स्पष्ट संदेश देते हुए कहा था कि घर में बैठे कर्मचारियों को कोई वेतन नहीं दिया जाएगा। तारिगामी ने यहां कहा वे लोग एक मुश्किल स्थिति में फंस गए हैं और उनकी मांगों को पूरा करने के लिए सहानुभूतिपूर्ण और मानवीय दृष्टिकोण की जरूरत है। अपने लोगों को चेतावनी नहीं दी जाती है यह स्थिति को और जटिल बना सकती है। उन्होंने कहा कि अल्पसंख्यक कर्मचारी असुरक्षित महसूस कर रहे हैं और ... अपने ही लोगों के साथ व्यवहार करना सीखें और उनसे बातचीत करें तथा अगर आपको लगता है कि घाटी में स्थिति सामान्य है तो उन्हें संतुष्ट करें हालांकि स्थिति अलग है। तारागामी ने कहा हर नागरिक की प्रारंभिक मांग उनके जीवन और संपत्ति की सुरक्षा है। हम विरोध करने वाले कर्मचारियों के साथ हैं। इस संबंध में केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह के बयान के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि सिंह की टिप्पणी उपराज्यपाल के बयान के विपरीत है। सिंह ने कहा था कि कीमती मानव जीवन बचाना जरूरी है भले ही इसके लिए दर्जनों कार्यालयों को बंद करना पड़े। माकपा नेता ने कहा कि उन्हें एक साथ बैठना चाहिए और इस बारे में आम सहमति बनानी चाहिए कि क्या बोलना है या क्या नहीं।

कर्नाटक में मास्क अनिवार्य रेस्तरां-पब में बगैर मास्क नहीं मिलेगी एंट्री नियमों का पालन करते हुए रात एक बजे तक ही चलेगा नए साल का जश्न

बेंगलुरू । कुछ देशों में कोरोना के मामले बढ़नी की वजह से कर्नाटक सरकार ने नए साल के जश्न के दौरान मास्क पहनना अनिवार्य कर दिया है। स्वास्थ्य मंत्री के. सुधाकर ने कहा कि नए साल का जश्न देर रात एक बजे तक ही चलना चाहिए। मंत्री ने कहा कि टीकाकरण के संबंध में सरकार इस बात पर जोर दे रही है कि लोगों को बूस्टर खुराक लेनी चाहिए। उन्होंने वरिष्ठ नागरिकों अन्य बीमारियों से पीड़ित व्यक्तियों गर्भवती महिलाओं और बच्चों से भीड़-भाड़ वाली जगहों से बचने की अपील की। सुधाकर ने कहा बंद जगहों वातानुकूलित कमरों और जश्न वाली बाहरी जगह जहां भीड़-भाड़ हो वहां पर मास्क अनिवार्य होगा। जिन स्थानों पर समारोह हो रहे हैं वहां अनुमति से अधिक लोग नहीं होने चाहिए। सुधाकर ने राजस्व मंत्री आर अशोक की अध्यक्षता में एक बैठक में भाग लेने के बाद संवाददाताओं से बात कर रहे थे जो राज्य आपदा प्रबंधन समिति के उपाध्यक्ष हैं। सुधाकर के अनुसार बेंगलुरु और मंगलुरु अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों पर अंतरराष्ट्रीय यात्रियों में से दो प्रतिशत यात्रियों की बिना क्रम के जांच जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि बेंगलुरु में बॉरिंग अस्पताल और मंगलुरु में वेनलॉक अस्पताल को दो पृथकवास केंद्र बनाए गए है जहां जांच में कोविड-19 संक्रमित पाए गए अंतरराष्ट्रीय यात्रियों को रखा जाएगा। मंत्री ने कहा कि चीन से राज्य लौटे एक यात्री के नमूने जीनोम अनुक्रमण के लिए एक प्रयोगशाला में भेजे गए हैं। जद (एस) पार्टी के नेता एचडी कुमारस्वामी के नेतृत्व वाली पंचरत्न यात्रा के बारे में मंत्री ने कहा कि पैदल मार्च जारी रह सकता है लेकिन उन्होंने दोहराया कि इसमें हिस्सा लेने वालों को खुद को सुरक्षित रखने के लिए कोविड से संबंधित उचित व्यवहार का पालन करना चाहिए। मंत्री ने कहा कि उपायुक्त जिला पंचायतों के मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला स्वास्थ्य अधिकारी जिला निगरानी अधिकारी और विशेषज्ञ समिति के सदस्य राज्य के सभी जिलों में कोविड प्रबंधन की देखरेख करेंगे। सुधाकर के अनुसार दो साल से अधिक समय पहले कोविड-19 फैलने के बाद से आईसीयू बिस्तरों की संख्या ऑक्सीजन आपूर्ति वाले बिस्तरों की संख्या ऑक्सीजन क्षमता और मेडिकल एवं पैरामेडिकल कर्मियों सहित स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे और कर्मचारियों की संख्या में काफी वृद्धि की गई है। उन्होंने कहा कि यह किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पर्याप्त होगा।

बोधगया में फूटा कोविड बम दलाई 11 विदेशी कोरोना संक्रमित

बोधगया। बिहार में कोरोना को लेकर अलर्ट की स्थिति है। बोध गया में आयोजित बौद्ध धर्मगुरु दलाईलामा के प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल होने के लिए कई देशों से श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। यहां सात विदेशी पर्यटक कोरोना से संक्रिमत पाए गए हैं। जिसके बाद कोरोना संक्रमितों की संख्या बढ़कर यहाँ 11 हो गई है।

वाजपेयी के कार्यकाल में भी भारत को मिली थी जी-20 की अध्यक्षता उस दौर में चुपचाप होता था काम आज प्रचार ज्यादा : यशवंत सिन्हा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत को जी-20 की अध्यक्षता मिल चुकी है। सितंबर 2023 में भारत की मेजबानी में होने वाला जी-20 शिखर सम्मेलन उत्तर प्रदेश के वाराणसी में आयोजित किया जाएगा। वाराणसी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संसदीय क्षेत्र भी है। विपक्षी नेताओं का आरोप है कि भाजपा शिखर सम्मेलन के इर्द-गिर्द इवेंट आयोजित कर इसका चुनावी लाभ लेना चाहती है। जी-20 की शुरुआत साल 1999 में हुई थी। यह 20 प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के वित्त मंत्रीयों और केंद्रीय बैंक के गवर्नरों का संगठन है।

अटल बिहारी वाजपेयी सरकार में वित्त मंत्री रहे यशवंत सिन्हा ने कहा कि जब सन 1999 में जी-20 की शुरुआत हुई तब भारत को इसका दूसरा अध्यक्ष चुना गया। वाजपेयी के भारत को दुनिया ने ऊंचा स्थान दिया था लेकिन तब हमने इसको लेकर गाना और डांस नहीं किया। हम अपना काम चुपचाप करते रहे। सिन्हा ने कहा कि आज हमारे पास भाजपा के एक और प्रधानमंत्री हैं लेकिन काम करने का तरीका पहले से बहुत बदल गया है पूरी दुनिया ही बदल गई है। उन्होंने कहा मेरे पास जी-20 की चेयरमैनशिप थी लेकिन भारत में यह खबर वित्तीय पत्रों के लिए एक छोटी सी खबर थी। जैसा कि विश्व बैंक की विकास समिति की मेरी अध्यक्षता थी। वाजपेयी सरकार में हम चुपचाप अपना काम बिना किसी शोर-शराबे के करने में विश्वास रखते थे। इसलिए मैं इसके बारे में ज्यादा चिंतित नहीं था।

जी20 के गठन का इतिहास बताते हुए यशवंत सिन्हा ने कहा कि जी20 को याद करते हुए मेरा दिमाग 1999 की शरद ऋतु में चला जाता है जब मैं भारत का वित्त मंत्री हुआ करता था और आईएमएफ और विश्व बैंक की बैठकों में भाग लेने के लिए वाशिंगटन डीसी जा रहा था। बैठक का विशेष महत्व था क्योंकि 1997 और 1998 में दुनिया ने एक और गंभीर आर्थिक संकट देखा था। इस बार मार पूर्वी एशिया पर पड़ी थी। उनकी मूर्खताओं के परिणामस्वरूप इस क्षेत्र की अर्थव्यवस्था एक-एक करके चरमरा गई थी। स्वाभाविक रूप से इसका वैश्विक अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा। स्वाभाविक रूप से इससे जो चिंता हुई वह भी वैश्विक थी। और इसी पृष्ठभूमि में जी-20 का गठन साल 1999 में किया गया।

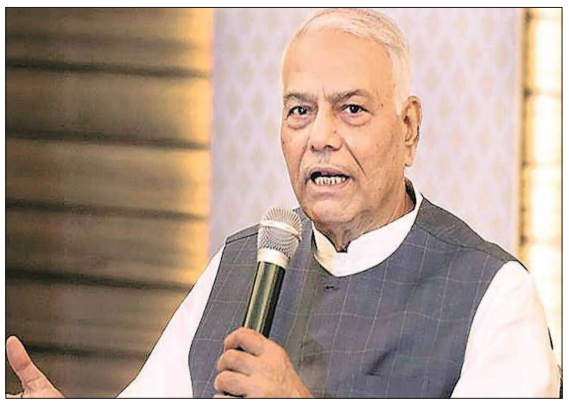

सलमान खुर्शीद ने राम से की राहुल गांधी की तुलना

आचार्य सत्येंद्र दास बोले- कोई भी व्यक्ति भगवान नहीं हो सकता

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व विदेश मंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सलमान खुर्शीद ने राहुल गांधी की तुलना भगवान राम से कर दी है। दरअसल, सलमान खुर्शीद भारत जोड़ो यात्रा को लेकर एक प्रेस वार्ता कर रहे थे। इसी दौरान उन्होंने राहुल गांधी और भगवान राम की तुलना कर दी। अब इसी को लेकर राम जन्मभूमि के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास ने सलमान खुर्शीद पर पलटवार किया है। अपने बयान में सत्येंद्र दास ने कहा कि कोई भी व्यक्ति भगवान राम नहीं हो सकता, न ही भरत हो सकता। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि कभी भी राहुल गांधी की तुलना राम से नहीं की जा सकती...उन्होंने(सलमान खुर्शीद) जो कहा हम उसकी निंदा करते हैं।

सलमान खुर्शीद ने क्या कहा था

सलमान खुर्शीद ने अपने बयान में कहा था कि वो(राहुल गांधी) अलौकिक हैं। हम ठंड में ठिठुर रहे हैं और जैकेट पहन रहे हैं, वह टी-शर्ट पहनकर(भारत जोड़ो यात्रा के लिए) निकल रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा था कि वह एक योगी की तरह तपस्या कर रहे हैं.... भगवान राम की %खड़ाऊ% बहुत दूर तक जाती हैं। अपने बयान में सलमान खुर्शीद ने कहा कि कभी-कभी खड़ाऊ लेकर भी चलना पड़ता है। हमेशा राम नहीं पहुंच पाते हैं तो भरत उनकी खड़ाऊ लेकर चलते हैं। उन्होंने कहा कि हम भी खड़ाऊ लेकर उत्तर प्रदेश में चले हैं। उत्तर प्रदेश में खड़ाऊ पहुंच गई हैं तो राम जी भी पहुंचेंगे, ये हमारा विश्वास है।

आपको बता दें कि कड़ाके की ठंड में सफेद रंग की टी-शर्ट पहने राहुल गांधी सोमवार सुबह जब कई प्रमुख नेताओं की समाधियों पर श्रद्धांजलि अर्पित करने पहुंचे तो उनके इस कदम से ज्यादा सोशल मीडिया पर यह चर्चा तेज हो गई कि आखिर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष को सर्दी क्यों नहीं लगती। कांग्रेस समर्थक ट्विटर उपयोगकर्ताओं ने 'भारत जोड़ो यात्रा' का हवाला देते हुए कहा कि इस यात्रा रूपी 'तपस्या' पर निकलने और शानदार फिटनेस के चलते दिल्ली की कड़ाके की सर्दी भी राहुल गांधी पर बेअसर हो गई है।

'रॉबर्ट वाड्रा को दी गई किसानों की जमीन', भाजपा बोली- कट्टर बेईमान कौन है देश जान गया

नई दिल्ली (एजेंसी)। रॉबर्ट वाड्रा को लेकर एक बार फिर से भाजपा जबरदस्त तरीके से कांग्रेस पर हमलावर हो गई है। भाजपा की ओर से राजस्थान सरकार पर रॉबर्ट वाड्रा को जमीन देने का आरोप लगाया गया है। भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने कहा कि हरियाणा में जब कांग्रेस की सरकार थी तब भी किसानों की जमीन हड़पी गई। इसके साथ ही उन्होंने दावा किया कि राजस्थान में कांग्रेस सरकार के दौरान भी किसानों की जमीन हड़पी गई। उन्होंने आरोप लगाया कि 2008-13 के बीच में राजस्थान में कांग्रेस की सरकार थी, जिस दौरान 125 बीघा जमीन किसानों से हड़पी गई। भाजपा ने साफ तौर पर कहा है कि किसानों की जमीन रॉबर्ट वाड्रा को दी गई है। उन्होंने कहा कि यह पूरा घोटाला 1000 बीघा जमीन का है और गांधी परिवार ने भ्रष्टाचार किया है।

गौरव भाटिया ने कहा कि जब भाजपा की सरकार राजस्थान में आई तब स्क्रूटनी दर्ज हुई। उन्होंने कहा कि पुलिस और ईडी ने जांच की तब पता चला कि अशोक गहलोत सरकार ने 'कांग्रेस परिवार' के आदेश पर एक ऐसे व्यक्ति को जमीन दी, जो वास्तव में था ही नहीं। भाजपा नेता ने कहा कि भ्रष्टाचारी गांधी परिवार ये सोचता है कि उन तक कानून नहीं पहुंचेगा। लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ईमानदारी और जांच एजेंसियों के जज्बे से कोई भ्रष्टाचारी बच नहीं सकता। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि कट्टर बेईमान कौन है देश जान गया है।

भाटिया ने कहा कि भारत में एक 'कट्टर पापी परिवार' है। इनका काम किसानों की जमीन हड़पना और अपने दामाद रॉबर्ट वाड्रा को सौंपना है। 2008-13 तक राजस्थान में कांग्रेस सरकार के दौरान, 125 बीघा जमीन किसानों से खरीदी गई और 2 लोगों को हरिराम और नाथाराम को आवंटित की गई। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि जांच के दौरान पता चला कि ये दोनों व्यक्ति मौजूद नहीं हैं और फर्जी हैं। उक्त जमीन को बाद में स्काईलाइन हॉस्पिटैलिटी को बेच दिया गया जिसमें रॉबर्ट वाड्रा और उनकी मां भागीदार हैं।

हरियाणा सरकार का अपराधियों व नशा तस्करों पर शिकंजा178 अवैध संपत्तियां ध्वस्त : विज

चंडीगढ़ (एजेंसी)। प्रदेश के गृह मंत्री अनिल विज ने कहा कि हरियाणा सरकार ने अपराधियों और नशे के तस्करों द्वारा अपराध के पैसे से बनाई 178 अवैध संपत्तियों को ढहा दिया है। इस मुद्दे पर सीएम मनोहर लाल खट्टर व इनेलो विधायक अभय चौटाले की बीच बहस भी हुई। विधानसभा सत्र के पहले दिन प्रश्नकाल के दौरान विज ने कहा कि राज्य सरकार अपराधियों और मादक पदार्थ तस्करों पर शिकंजा कस रही है जिन्होंने अपराध की आय से अवैध संपत्तियां बनाई हैं।

विज इनेलो के विधायक चौटाला द्वारा मादक पदार्थ की तस्करी में शामिल लोगों के घरों को तोड़े जाने के संबंध में पूछे गए सवाल का जवाब दे रहे थे। विज ने कहा कि कुल 178 अवैध संपत्तियों को बुलडोजर से गिराया गया है जिनमें से 72 स?पत्तियां नशीले पदार्थ की तस्करी में शामिल अपराधियों की हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की कार्रवाई के कारण अपराधी राज्य से भाग रहे हैं।

उन्होंने कहा या तो गुंडागर्दी छोड़ो या हरियाणा। हम किसी को भी आपराधिक गतिविधियों में शामिल नहीं होने देंगे। हम और कड़े कानून बनाएंगे ... इससे पहले इस मुद्दे को लेकर मुख्यमंत्री खट्टर और चौटाला के बीच जुबानी जंग भी हुई। खट्टर ने कहा कि मादक पदार्थों की तस्करी से जुड़े लोगों की संपत्तियों को गिराने की राज्य सरकार की कार्रवाई को विनाशकारी करार देना नैतिक रूप से गलत है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस तरह के शब्दों के इस्तेमाल से पता चलता है कि नशा तस्करों के खिलाफ सरकार की कार्रवाई से विपक्ष खुश नहीं है।

सीएम ने कहा कि अगर जांच के दौरान यह पाया जाता है कि इन अपराधियों ने अपराध के जरिए कमाए पैसे से अचल संपत्ति का निर्माण किया है तो उन्हें ध्वस्त कर दिया जाएगा। इससे पहले चौटाला ने राज्य सरकार से पूछा था कि अगर परिवार का कोई एक सदस्य आपराधिक गतिविधियों में शामिल हो जाता है तो क्या सरकार पूरे परिवार द्वारा बनाए गए घर को तोड़ देगी? उन्होंने यह भी पूछा कि अगर परिवार ने अपने उस व्यक्ति से संबंध तोड़ लिए हैं जो अपराधी है तो फिर भी क्या घर को तोड़ा जाएगा? इनेलो विधायक ने दावा किया कि ऐसी कई शिकायतेंहैं जिनमें परिवारों ने कहा है कि उन्होंने ऐसे अपराधियों से रिश्ते तोड़ दिए हैं फिर भी सरकार ने उनके घरों को ध्वस्त कर दिया है।

कोरोना तैयारियों का जायजा लें दिशा-निर्देशों के अनुसार सभी जरूरी उपाय करे अस्पताल प्रबंधन: सिसौदिया

-दिल्ली एयरपोर्ट पर नहीं लगेगी शिक्षकों की कोरोना ड्यूटी विरोध के बाद वापस लिया गया आदेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने 31 दिसंबर से 15 जनवरी तक दिल्ली एयरपोर्ट पर स्कूली शिक्षकों को कोविड ड्यूटी पर तैनात करने के अपने आदेश को वापस ले लिया है। प्राधिकरण का कहना है कि जरूरत पड़ने पर एयरपोर्ट पर नागरिक सुरक्षा कर्मचारियों की तैनाती की जाएगी।

इससे पहले आदेश जारी किया गया था कि दिल्ली सरकार के स्कूलों के शिक्षकों को 31 दिसंबर से 15 जनवरी तक दिल्ली हवाई अड्डे पर तैनात किया जाएगा ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि विदेश से आने वाले यात्रियों द्वारा कोविड उचित व्यवहार का पालन किया जाए।

दिल्ली में इस दौरान शीतकालीन अवकाश के चलते स्कूल बंद रहेंगे। इसलिए शिक्षकों की ड्यूटी इस कार्य में लगाई गई। कोरोना की पिछली लहरों में भी शिक्षकों ने अपना सराहनीय योगदान दिया था। उल्लेखनीय है कि दिल्ली में कोविड-19 के मामलों में अचानक बढोतरी होने के साथ केंद्र सरकार ने लोगों से फेस मास्क पहनने और सार्वजनिक स्थानों पर सुरक्षा मानदंडों का सख्ती से पालन करने की अपील की है। दिल्ली सरकार ने राजधानी के सभी सार्वजनिक अस्पतालों को आने वाले दिनों में बढ़ते संक्रमण की प्रत्याशा में तैयारी और आपूर्ति बढ़ाने का निर्देश दिया है। उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने सरकारी अस्पतालों के निदेशकों और चिकित्सा अधीक्षकों के साथ समीक्षा बैठक की। उन्होंने उनसे कोविड मामलों में वृद्धि के लिए तैयार रहने का निर्देश दिया। सिसोदिया ने अस्पताल प्रमुखों को निर्देश दिया था कि वे कोविड-19 की तैयारियों का जायजा लें और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुसार सभी आवश्यकताओं को पूरा करना सुनिश्चित करें।

पीएम मोदी की बैठक में शामिल नहीं होंगे नीतीश कुमार एक महीने में दूसरी बार केंद्र के कार्यक्रम से बनाई दूरी

-30 दिसंबर को होने वाली बैठक में सीएम नीतीश की जगह भाग लेंगे डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव

पटना (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में 30 दिसंबर को राष्ट्रीय गंगा परिषद की एक बैठक होने वाली है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार इस बैठक में शामिल नहीं होंगे। वह अपने स्थान पर उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव को बिहार का प्रतिनिधित्व करने के लिए प्रधानमंत्री की बैठक में भेजेंगे।

उल्लेखनीय है कि इससे पहले अमित शाह की बैठक में भी शामिल नहीं हुए थे सीएम नीतीश कुमार। यह एक महीने में दूसरी बार है जब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने केंद्र द्वारा बुलाई गई किसी महत्वपूर्ण बैठक से दूरी बनाई है। इससे पहले 17 दिसंबर को कोलकाता में केंद्रीय मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में ईस्टर्न जोनल कार्उंसिल की बैठक हुई थी। नीतीश कुमार इस बैठक में भी शामिल नहीं हुए थे और तब भी तेजस्वी यादव मीटिंग में शामिल हुए थे। केंद्र द्वारा बुलाई गई बैठकों से नीतीश कुमार ने दूरी बनाई है इस पर राजद के राज्य प्रवक्ता चितरंजन गगन ने कहा पीएम मोदी द्वारा बुलाई गई बैठक गंगा पर है और तेजस्वी शहरी विकास विभाग का नेतृत्व कर रहे हैं। नमामि गंगे परियोजना इसके तहत आती है। इस दृष्टि से उनकी उपस्थिति ज्यादा महत्वपूर्ण है। साथ ही सीएम नीतीश कुमार को तेजस्वी जी पर भरोसा है और जानते हैं कि तेजस्वी जी बिहार का प्रतिनिधित्व करने में सक्षम हैं। उल्लेखनीय है कि सीएम नीतीश कुमार ने इस महीने की शुरुआत में ही तेजस्वी को कमान सौंपने का संकेत दिया था।

2022 में तीन गुना बढ़ी भारतीय सीमा में पाक ड्रोनों के प्रवेश की संख्या

-बीएसएफ कर्मियों ने 22 से अधिक ड्रोन को मार गिराया व 45 किग्रा हेरोइन और हथियार जब्त किए पंजाब में सबसे ज्यादा 164 ड्रोन देखे गए

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान अपनी नापाक हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। पाकिस्तान से ड्रोन भेजने का सिलसिला लगातार जारी है। इस साल भारत-पाकिस्तान सीमा पर ड्रोन देखे जाने की घटनाओं में तीन गुना वृद्धि हुई है। 2021 में जहां 104 ड्रोन देखे गए थे वहीं 2022 में 23 दिसंबर तक सीमा पर 311 ड्रोन देखे गए। सीमा सुरक्षा बल(बीएसएफ) द्वारा जुटाए गए डेटा में यह जानकारी दी गई है। भारत की पाकिस्तान के साथ 3323 किलोमीटर की सीमा जुड़ती है जिसकी बीएसएफ जवान सुरक्षा करते हैं। सीमा पार बढ़ी हुई ड्रोन गतिविधि को देखते हुए केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने स्वयं संज्ञान लिया है। वह बीएसएफ के शीर्ष अधिकारियों के साथ लगातार संपर्क में हैं और सीमा पार से जारी गतिविधियों पर नजर बनाए हुए हैं।

सन 2022 में सीमा पर ड्रोन प्रवेश करने की संख्या में पहले से तीन गुना बढ़ गई है। इतना ही नहीं ड्रोन के माध्यम से मादक पदार्थों की ही नहीं हथियारों और गोला-बारूद की तस्करी भी बड़े पैमाने पर की जा रही है। हालांकि बीएसएफ कर्मियों की सतर्कता के कारण 22 से अधिक ड्रोन को मार गिराया और लगभग 45 किलोग्राम हेरोइन और हथियारों और गोला-बारूद का जखीरा जब्त किया गया जिसमें सात ग्रेनेड दो मैगजीन 60 गोला-बारूद और अन्य हथियार शामिल थे।

पंजाब में सबसे ज्यादा 164 अमृतसर में 96 गुरदासपुर में 84 फिरोजपुर में और 25 अबोहर जिले में ड्रोन देखे गए। वहीं जम्मू सीमा पर इंद्रेश्वर नगर में कुल 35 जम्मू में 29 और सुंदरबनी में 11 ड्रोन देखे गए। इसी तरह राजस्थान से सटी पाकिस्तान सीमा पर श्रीगंगानगर में 32 बाड़मेर में सात बीकानेर और जैसलमेर उत्तर में तीन-तीन जैसलमेर दक्षिण में दो और भुज में एक ड्रोन देखा गया।

1 जनवरी 2020 से 23 दिसंबर 2022 तक भारत-पाकिस्तान सीमा पर देखे गए कुल 492 यूएवी या ड्रोन में से इस साल 311 2021 में 104 और 2020 में 77 देखे गए। देखे गए कुल ड्रोन में से 369 यूएवी पंजाब में 75 जम्मू में 40 राजस्थान में और 8 गुजरात में देखे गए।

राजस्थान में श्री गंगानगर में 32 बाड़मेर में सात बीकानेर और जैसलमेर उत्तर में तीन-तीन जैसलमेर दक्षिण में दो और भुज में एक ड्रोन देखा गया। आंकड़ों से यह भी पता चला कि इस साल 1 जुलाई से 23 दिसंबर के बीच कुल 206 ड्रोन देखे गए उनमें से अधिकतम 45 ड्रोन अगस्त में देखे गए इसके बाद सितंबर में 44 अक्टूबर में 38 नवंबर में 36 और दिसंबर में 24 ड्रोन देखे गए।

बीएसएफ के अधिकारियों ने हाल ही में बताया था कि पाकिस्तान द्वारा सीमा पार हथियारों विस्फोटकों और नशीले पदार्थों की तस्करी के लिए पाकिस्तान द्वारा ड्रोन का इस्तेमाल किया जा रहा है। सीमा पार बढ़ी हुई ड्रोन गतिविधि को देखते हुए केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने स्वयं संज्ञान लिया था और उन्होंने अक्टूबर में श्रीनगर में एक सुरक्षा समीक्षा बैठक की थी जिसमें शीर्ष सुरक्षा और खुफिया प्रमुख उपस्थित थे।

चीन से आने वालों के लिए शुक्रवार से कोरोना वायरस की जांच अनिवार्य होगी : जापान

तोक्यो। जापान के प्रधानमंत्री फुमिओ किशिदा ने मंगलवार को कहा कि चीन में बढ़ते कोविड के मामलों के मद्देनजर एहतियात के तौर पर शुक्रवार से देश से आने वाले सभी आगंतुकों के लिए कोरोना वायरस संक्रमण की जांच आवश्यक होगी। गौरतलब है कि जापान की इस घोषणा से महज एक दिन पहले विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कहा था कि वह चीन द्वारा 'जीरो कोविड नीति' में अचानक पूरी तरह ढील दिए जाने के बाद देशभर में तेजी से बढ़ रहे संक्रमण के मामलों को लेकर बहुत चिंतित है। किशिदा ने कहा कि कोरोना वायरस के संदर्भ में चीन की ओर से सूचना तथा पारदर्शिता के अभाव के चलते सुरक्षा उपाय तय कर पाना मुश्किल है। उन्होंने कहा केंद्रीय और स्थानीय प्राधिकारियों से मिल रही सूचनाओं में तथा सरकार और निजी संगठनों से मिल रही सूचनाओं में बड़ी विसंगतियां हैं। उन्होंने कहा ''जापान में चिंता बढ़ रही है। हमने स्थिति के मद्देनजर अस्थायी विशेष उपाय करने का फैसला किया है।'' जापान ने देश में वर्षांत और नववर्ष की छुट्टियों के दौरान जश्न, दावतों और यात्राओं के कारण संक्रमण फैलने की आशंका के मद्देनजर शुक्रवार से नये नियम लागू किए हैं।

अफगानिस्तान में हुए कार बम धमाके की जिम्मेदारी इस्लामिक स्टेट ने ली

काबुल। आतंकवादी संगठन इस्लामिक स्टेट (आईएस) ने अफगानिस्तान में सोमवार को हुए एक कार बम धमाके की जिम्मेदारी ली है, जिसमें एक स्थानीय पुलिस प्रमुख की मौत हो गई थी। आईएस से क्षेत्रीय स्तर पर संबद्ध इस्लामिक स्टेट इन खुरासान प्रोविंस (आईएस-खुरासान) ने अफगानिस्तान पर अगस्त 2021 में तालिबान का कब्जा होने के बाद से अपने हमले तेज कर दिए हैं। अफगानिस्तान के पूर्वोत्तर प्रांत बदख्शां के पुलिस प्रमुख की एक दिन पहले उनके मुख्यालय के नजदीक हुए कार बम धमाके में मौत हो गई। गृह मंत्रालय के प्रवक्ता अब्दुल नफी तोकर ने बताया कि इस धमाके में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य घायल हुए हैं। उन्होंने बताया कि इस घटना के सिलसिले में चार संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है। आईएस ने सोमवार देर रात एक संक्षिप्त बयान जारी कर बताया कि विस्फोटकों से लदी उसकी कार सड़क पर खड़ी थी और जब पुलिस प्रमुख अपने कार्यालय जा रहे थे, तभी उनके वाहन के नजदीक आने पर कार में धमाका कर दिया गया। इस महीने की शुरुआत में आतंकवादी संगठन ने अफगानिस्तान की राजधानी काबुल स्थित चीनी स्वामित्व वाले लॉन्गन होटल पर किए गए हमले की जिम्मेदारी ली थी, जिसमें तीन हमलावर मारे गए थे और दो अतिथियों की मौत खिड़की से कूद कर जान बचाने का प्रयास करने के दौरान हो गई थी। इस हमले के बाद चीन ने अपने नागरिकों को अफगानिस्तान छोड़ने का परामर्श जारी किया था।

इंडोनेसिया पहुंचा रोहिंग्या शरणार्थियों का एक और समूह

पिडी । रोहिंग्या मुसलमानों का एक और समूह कई हफ्तों का समुद्री सफर तय करने के बाद इंडोनेशिया के सबसे उत्तरी प्रांत आचेह में एक समुद्र तट पर उतरा। स्थानीय पुलिस के प्रमुख फौजी ने बताया कि करीब 185 पुरुष महिलाएं और बच्चे आचेह के पिडी जिले के एक तटीय गांव मुआरा तिगा में यूजिंग पाई बीच पर शाम को लकड़ी की एक जर्जर नाव से उतरे। फौजी ने कहा कई हफ्तों के समुद्र के सफर के कारण वे बेहद कमजोर और थके हुए नजर आ रहे हैं।'' उन्हें गांव के सभागार में ले जाया गया है। स्थानीय निवासियों स्वास्थ्य कर्मियों और अन्य लोगों से मदद मिलने तक वे वहां रहेंगे। फौजी ने बताया कि आव्रजन अधिकारी व पुलिस शरणार्थियों की पहचान करने की कोशिश कर रही है। यह भी पता लगाया जा रहा है कि क्या ये लोग उन 190 रोहिंग्या के समूह का हिस्सा थे जिनके बारे में संयुक्त राष्ट्र ने बताया था कि वे कई हफ्तों से अंडमान सागर में एक छोटी नाव पर फंसे हैं।

भारतीय-अमेरिकी समुदाय ने मनाया 'वीर बाल दिवस'

वाशिंगटन। भारतीय-अमेरिकी समुदाय ने यहां पहला 'वीर बाल दिवस' मनाया और 10वें सिख गुरु गोबिंद सिंह के चार साहिबजादों के बलिदानों को याद किया। गुरु गोबिंद सिंह के साहिबजादों बाबा अजीत सिंह, बाबा जुझार सिंह, बाबा जोरावर सिंह और बाबा फतेह सिंह के शहादत दिवस को 'वीर बाल दिवस' के रूप में मनाया जाता है, जिन्होंने अपने धर्म की रक्षा करते हुए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए थे। इस साल नौ जनवरी को गुरु गोबिंद सिंह की जयंती के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने घोषणा की थी कि 26 दिसंबर को 'वीर बाल दिवस' के रूप में मनाया जाएगा। भारतीय दूतावास द्वारा सोमवार को यहां अपने परिसर में आयोजित एक समारोह में चारों साहिबजादों के जीवन पर एक डिजिटल प्रदर्शनी भी लगाई गई। उप-राजदूत श्रीप्रिया रंगनाथन ने अपने बयान में सिख त्योहारों को मान्यता देने वाली भारत सरकार की विभिन्न पहलों को रेखांकित किया। उन्होंने करतारपुर गलियारा खोले जाने का जिक्र किया, जो पाकिस्तान में लाहौर के पास गुरुद्वारा दरबार साहिब को पंजाब के गुरदासपुर जिले में गुरुद्वारा डेरा बाबा नानक से जोड़ता है। रंगनाथन ने दुनिया भर में गुरु नानक देव की 550वीं जयंती मनाने के लिए भारत सरकार द्वारा की गई पहलों, गुरु तेग बहादुर की 400वीं जयंती के अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी के एक विशेष सिक्का तथा एक डाक टिकट जारी करने और पिछले साल अगस्त में पूरे सम्मान के साथ अफगानिस्तान से गुरु ग्रंथ साहिब के तीन 'पवित्र स्वरूप' वापस लाए जाने का भी जिक्र किया। गुरु गोबिंद सिंह के दो बेटे बाबा अजीत सिंह और जुझार सिंह इस लड़ाई में शहीद हो गए थे, जबकि बाबा जोरावर और फतेह सिंह को जिंदा चुनवा दिया गया था।

सेना को एथोस सिस्टम देने की पेशकश कर सकती हैं इजरायल कंपनी एल्बिट

तेल अवीव । भारतीय सेना की ओर से 155एमएम/52 कैलिबर वाली टो गन सिस्टम यानी तोपों को खरीदने के लिए नया अनुरोध रक्षा मंत्रालय को भेजा है। इस अनुरोध के बाद कौन सी कंपनी आगे आएगी इस बारे में अभी कोई जानकारी नहीं मिली है। लेकिन माना जा रहा है कि इजरायल की कंपनी एल्बिट के लिए यह एक बेहतर मौका हो सकता है। कंपनी की तरफ से तैयार एथोस हॉवित्जर सिस्टम के लिए सेना को पेशकश की जा सकती है। साल 1999 में कारगिल की जंग के बाद एक ड्राफ्ट तैयार किया गया था। इस ड्राफ्ट के तहत सेना की आर्टिलरी रेजीमेंट को मॉर्डन और एडवांस्ड बनाने की बात पर जोर दिया गया था। ऑटोनोमस टो हॉवित्जर ऑर्डनेंस सिस्टम यानी एथोस एक लॉन्ग रेंज वाला सिस्टम है। एल्बिट का दावा है कि यह एक अगली पीढ़ी की तोप है जो दुश्मन को बचने का मौका नहीं देती है। दुनिया की कई प्रतिष्ठित सेनाएं इसका प्रयोग करती हैं। एथॉस को फील्ड टेस्ट किया गया है। टेस्टिंग में यह सिस्टम हर बार स्थिरता विश्वसनीयता और सटीकता पर खरा उतरा है। मूविंग और विभिन्न दिशाओं में फायरिंग के समय यह सिस्टम सटीक बैठता है। एल्बिट के मुताबिक एथॉस सिस्टम इन सर्विस सिस्टम और बाकी तत्वों पर आधारित है। इस सिस्टम की यूं कई खासियतें हैं लेकिन इसका फुली ऑटोमैटिक ऑपरेशन जो मैनुअल बैकअप से लैस इस काफी खास बना देता है। इस सिस्टम को संकट के समय तुरंत तैनात किया जा सकता है। एथॉस 40 किलोमीटर तक की रेंज में फायरिंग कर सकता है। पूरी तरह से कंप्यूटराइज्ड सिस्टम वाली यह तोप सटीकता के साथ टारगेट पर फायर करती है। एथॉस का डीजल इंनल और स्पेशल हाइड्रॉयूलिक व्हील्स इस और ताकतवर बनाते हैं।

चीन ने पिछले 24 घंटे में ताइवान की ओर भेजे 71 युद्धकविमान, सात जहाज

बीजिंग । चीन की सेना ने 24 घंटे तक शक्ति प्रदर्शन करते हुए इस दौरान ताइवान की ओर 71 विमान तथा सात पोत भेजे। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने सोमवार को यह जानकारी दी। अमेरिका के शनिवार को ताइवान से संबंधित अमेरिकी वार्षिक रक्षा व्यय विधेयक पारित करने के बाद चीन ने यह कार्रवाई की। चीन के विदेश मंत्रालय ने शनिवार को एक बयान में इसे एक गंभीर राजनीतिक उकसावा करार देते हुए कहा था कि यह चीन के आंतरिक मामलों में खुलेआम हस्तक्षेप है। वहीं ताइवान ने इस विधेयक का स्वागत करते हुए कहा कि यह स्वशासित द्वीप के प्रति अमेरिका के समर्थन को प्रदर्शित करता है।

न्यूयार्क में बर्फीले तूफान के बीच ही लोग रास्त में जमी बर्फ हटाते हुए।

पश्चिमी यूयॉर्क में तूफान संबंधी घटनाओं में 28 लोगों की मौत

बफेलो। पश्चिमी न्यूयॉर्क में बर्फीले तूफान संबंधी घटनाओं में 28 लोगों की मौत हो गई। अमेरिका में आए बर्फीले तूफान के चलते देश के कई हिस्सों में भीषण ठंड जारी है। पश्चिमी न्यूयॉर्क में लोगों को भारी हिमपात का सामना करना पड़ रहा है। तूफान और हिमपात ने बफेलो के लिए भी स्थिति कठिन कर दी है। राष्ट्रीय मौसम सेवा के अनुसार, मंगलवार तक पश्चिमी न्यूयॉर्क के कुछ इलाकों में नौ इंच तक बर्फ गिर सकती है। एरी काउंटी के कार्यकारी अधिकारी मार्क पोलोनकार्ज़ ने कहा, '' यह अभी थमने नहीं वाला। यह संभवत-हमारे जीवन का सबसे खतरनाक तूफान है।'' अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने प्रभावित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। शुक्रवार और शनिवार को पश्चिमी न्यूयॉर्क में बर्फीले तूफान का जबरदस्त असर देखा गया। बर्फ की मोटी चादर बिछ जाने के कारण मोटर चालक फंसे रहे, बिजली गुल रही और आपातकालीन कर्मचारियों को बर्फबारी से प्रभावित घरों के निवासियों और अटकी कारों तक पहुंचने में कठिनाई का सामना करना पड़ा। देश की लगभग 60 प्रतिशत आबादी को ठंड के मौसम संबंधी किसी न किसी परेशानी का सामना कर रही है।

पुतिन ने चल दिए मास्टरस्ट्रोक भारत के लिए होगा बड़े फायदे का सौदा

मास्को (एजेंसी)। अमेरिका सहित पश्चिमी देशों के साथ चल रहे तनाव के बीच रूस और ईरान ने एक मास्टरस्ट्रोक चल दिया है। इन दोनों देशों ने पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों की काट के लिए 25 अरब डॉलर की लागत से 3000 किमी लंबे रास्ते का खाका तैयार किया है। यह रास्ता रूस के कारोबारी केंद्र सेंट पीटर्सबर्ग को भारत की आर्थिक राजधानी मुंबई को जोड़ेगा। यह जमीनी और समुद्री रास्ता सेंट पीटर्सबर्ग से मास्को वोलगोग्रैड अस्त्रखान से कैस्पियन सी के रास्ते ईरान पहुंचेगा। इसके बाद ईरान की राजधानी तेहरान और भारत के बनाए चाबहार पोर्ट से होकर सामान मुंबई बंदरगाह तक पहुंचेगा।

इस रास्ते के नहीं होने पर अब तक भारत का सफर तय करने के लिए रूसी सामानों को 14 हजार किमी का सफर तय करना होता था और 40 दिन का समय लगता था। यह पूरा प्रॉजेक्ट रूस और ईरान के लिए बेहद अहम है जो पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों की मार झेल रहे हैं। इसकारण ईरान भी चाबहार पोर्ट से लेकर तेहरान तक अपने रेल मार्ग का विस्तार कर रहा है। वहीं रूस चर्चित वोल्गा नदी को अजोव के समुद्र से जोड़ने के लिए 1 अरब डॉलर खर्च कर रहा है। इसके लिए नहरों को चौड़ा किया जा रहा है जिससे अब सालभर मालवाहक जहाज आ जा सकते हैं।

उधर भारत ईरान में चाबहार पोर्ट के लिए अरबों डॉलर का निवेश कर रहा है। इस अरबों डॉलर के निवेश के बीच कुछ रूसी और ईरानी जहाज अभी ही इस रास्ते का इस्तेमाल करने लगे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि किस तरह से अलग-अलग ब्लॉक के महाशक्तियों के बीच प्रतिस्पर्द्धा से तेजी से व्यापारिक नेटवर्क अलग आकार ले रहा है। अमेरिकी प्रतिबंधों से बचने के लिए रूस और ईरान मिलकर एक-दूसरे की मदद कर रहे हैं। इस पूरे रास्ते को बनाने का मकसद पश्चिमी हस्तक्षेप से व्यवसायिक संपर्कों की सुरक्षा करना है।

साथ ही एशिया की उभरती हुई अर्थव्यवस्था भारत के साथ रिश्ते मजबूत करना है। इस रास्ते के खुलने से अमेरिकी प्रतिबंधों का कोई असर नहीं रह जाएगा। यही वजह है कि पुतिन ने सी ऑफ अजोव को रूस का घरेलू समुद्र करार दिया था। इस तरह से यह रास्ता नदी समुद्र और रेलमार्ग के जरिए आपस में जुड़ा रहेगा। पुतिन ने भी इस कॉरिडोर की जमकर प्रशंसा की है। रूस इसके जरिए न केवल ईरान और भारत बल्कि अफ्रीकी बाजारों तक पहुंचना चाहता है जो अभी तक यूरोपीय देशों पर निर्भर था।

बताया जा रहा है कि 25 अरब डॉलर की लागत से बन रहे इस रास्ते की मदद से उन सामानों को भेजा जा सकेगा जिसे पश्चिमी देश रोकते हैं। इसमें हथियारों की सप्लाई भी शामिल है। इससे अब भारत को बड़ा फायदा होने जा रहा है। पिछले दिनों इस रास्ते से पहली बार माल रूस से मुंबई पहुंच भी गया था। बताया जा रहा है कि 12 मिलियन टन से ज्यादा व्यापार होने की संभावना है। भारत को बहुत जल्दी ही सामान रूस से सामान मिल जा रहा है। इस रास्ते की मदद से चीन को भी सामान भेजने की तैयारी है। इस रास्ते के बनने से अब 20 से 25 दिन में भारत सामान पहुंच सकते हैं जो अभी 40 से 45 दिन में पहुंचते हैं।

प्रधानमंत्री शरीफ ने पाकिस्तान से आतंकवाद को समाप्त करने का संकल्प लिया

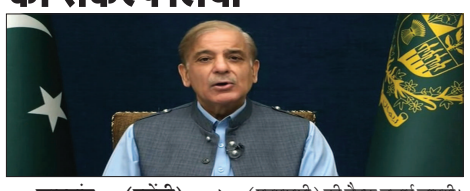

काठमांडू (एजेंसी)। इस्लामाबाद। पाकिस्तान में हाल में बढ़ी आतंकवादी घटनाओं से जूझ रहे देश के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इस समस्या को समाप्त करने का अपना संकल्प दोहराया। इस बीच, पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने सरकार पर अपने आठ महीने के कार्यकाल में आतंकवाद से निपटने में ''नाकाम'' रहने का आरोप लगाया। 'डॉन' अखबार के अनुसार, शरीफ ने अशांत खैबर-पख्तूनख्वा प्रांत के डेरा इस्माइल खान जिले में सोमवार को एक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि आतंकवाद का खतरा बढ़ रहा है और सरकार इसे बहुत जल्द कुचल देगी।

उन्होंने कहा कि प्रांतीय सरकारों और सुरक्षा बलों की मदद से सरकार सभी प्रकार के आतंकवाद का सफाया कर देगी। शरीफ ने कहा कि सुरक्षा स्थिति का जायजा लेने के लिए कुछ दिनों में राष्ट्रीय सुरक्षा समिति (एनएससी) की बैठक बुलाई जाएगी। उन्होंने पिछले हफ्ते अशांत खैबर पख्तूनख्वा के बन्नू जिले में एक सुरक्षा परिसर पर हुए हमले का जिक्र करते हुए कहा कि यह दिल दहला देने वाला हमला था।

उन्होंने कहा कि कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने एक सफल अभियान चलाकर परिसर पर कब्जा करने वाले सभी आतंकवादियों को मार गिराया। इस हमले की जिम्मेदारी प्रतिबंधित पाकिस्तानी तालिबान (टीटीपी) आतंकवादी समूह ने ली है। इस बीच, पूर्व प्रधानमंत्री खान ने पाकिस्तान डेमोक्रेटिक मूवमेंट (पीडीएम) सरकार पर आतंकवाद पर लगाम लगाने में ''विफल'' रहने का आरोप लगाया। उन्होंने लाहौर में अपने निवास पर पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) की बैठक के दौरान दावा किया कि उनकी सरकार ने ''आतंकवाद को नियंत्रित किया था।

ईरान को फाइटर जेट देकर अहसान उतारेगा रूस सातवें आसमान पर होगा इजरायल का गुस्सा!

तेहरान (एजेंसी)। यूक्रेन जंग में मिले ईरानी ड्रोन का अहसान रूस सुखोई-35 फाइटर जेट्स देकर चुकाएगा। खुफिया रिपोर्ट्स पर यकीन करें तब ईरान और रूस के बीच सुखोई-35 की एक पूरी स्क्वाड्रन के लिए जेट्स मुहैया कराने पर अहम डील हुई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक रूस की ओर से 24 सुखोई-35 जेट्स ईरान को दिए जाएंगे। इन जेट्स को असल में मिस्र के लिए किया गया था। लेकिन अमेरिका ने रूस और मिस्र के बीच हुई उस डील में रोड़ा अटका दिया था। रूस के पास ये जेट्स पहले से ही पड़े हुए थे। इसके बाद रुस ने अपने सबसे करीबी और यूक्रेन जंग में उसके वफादार रहे ईरान को यह जेट्स देने का फैसला कर लिया। खुफिया रिपोर्ट में बताया गया हैं कि ईरानी पायलट्स को सुखोई-35 जेट्स के लिए ट्रेनिंग दी जाने लगी है। ईरान की एयरफोर्स को हाई क्वालिटी वाले फाइटर जेट्स चाहिए। इसके बाद उसके पास सुखोई-35 के अलावा और कोई विकल?प नहीं हो सकता था। फिलहाल ईरानी वायुसेना अमेरिका के इसतरह के जेट्स का प्रयोग कर रही है जिन्हें 1970 के दशक में तैयार किया गया था यानी सन् 1979 में ईरानी क्रांति से पहले। रूस की तरफ से यह पहला काफी अहम है। अगर ऐसा होता हैतब फिर इजरायल का गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच सकता है। इजरायल पहले ही ईरानी ड्रोन की वजह से भड़का हुआ है। यूक्रेन की जंग में अब तक ईरान की तरफ से रूस को 1700 आत्मघाती ड्रोन मुहैया कराए जा चुके हैं। आने वाले समय में 300 और ड्रोन रूस को मिल सकते हैं। ईरान को इसके बदले में रूस से एयर डिफेंस सिस्टम चाहिए जो इजरायल के संभावित हमले से बचा सके। इजरायल मानता है कि जो कुछ भी ईरान कर रहा है उससे उसके इरादे साफ नजर आ जाते हैं। उसका कहना है कि यह सब करके ईरान परमाणु समझौते को तोड़ रहा है।

अमेरिका ने कर दी पाकिस्तान की बेइज्जती, बिलावल भुट्टो से नहीं मिले एंटनी ब्लिंकन, बासित ने दी नसीहत

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो हाल में ही अमेरिका के दौरे पर गए थे। हालांकि, अमेरिका में उन्हें भारी बेइज?जती का सामना करना पड़ा। दरअसल, अपने बड़बोलेपन से सुर्खियों में आए बिलावल भुट्टो अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन से मुलाकात करना चाहते थे। लेकिन खबर यह है कि एंटनी ब्लिंकन ने उनसे मिलने से इनकार कर दिया। हालांकि, दोनों के बीच फोन पर बातचीत जरूर हुई थी। आपको बता दें कि इसी अमेरिका के दौरे के दौरान बिलावल भुट्टो ने भारत और नरेंद्र मोदी को लेकर विवादित टिप्पणी कर दी थी जिसके बाद से बिलावल भुट्टो को भारी विरोध झेलना पड़ रहा था। हालांकि, अमेरिका के उप विदेश मंत्री वेंडी शरमन से बिलावल भुट्टो की मुलाकात जरूर हुई है।

अमेरिकी विदेश मंत्री से बिलावल की मुलाकात नहीं होना, कहीं ना कहीं पाकिस्तान के लिए भारी बेइज्जती है। सबसे आश्चर्य की बात तो यह भी है कि अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन देश में ही मौजूद थे। उन्होंने इस दौरान पनामा के विदेश मंत्री से मुलाकात भी की थी। लेकिन बिलावल भुट्टो से फोन पर ही बात करके काम चला लिया। अमेरिकी विदेश मंत्री से बिना मुलाकात किए ही बिलावल भुट्टो को वतन वापस लौटना पड़ा। पाकिस्तान के लिए यह स्थिति सहज नहीं है। यह स्थिति पाकिस्तान के लिए शर्मनाक बताई जा रही है। यही कारण है कि पाकिस्तान के पूर्व उच्चायुक्त अब्दुल बासित भी अब शहबाज शरीफ की सरकार पर निशाना साध रहे हैं। इतना ही नहीं, अब्दुल बासित ने तो पाकिस्तान को भारत से सीखने की नसीहत भी दे डाली।

पूर्व उच्चायुक्त ने यह भी कहा कि जब एंटनी ब्लिंकन से मुलाकात फिक्स नहीं हो पाई थी तो बिलावल भुट्टो को वाशिंगटन जाने की जरूरत ही क्या थी। अब्दुल बासित ने आगे कहा है कि आप अपने आप को हमेशा इतना गिरा हुआ क्यों दिखाते हैं? जब अमेरिकी विदेश मंत्री से मुलाकात नहीं होनी थी तो फिर वहां जाने का फायदा क्या हुआ। अब्दुल बासित ने कहा कि प्रेस रिलीज जारी कर बताया गया कि बिलावल और एंटनी के बीच बातचीत हुई है। लेकिन यह बातचीत किस माध्यम से हुई, इसके बारे में नहीं बताया गया। इसके साथ ही उन्होंने भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर की तारीफ की। उन्होंने कहा कि भारत के विदेश मंत्री न्यूयॉर्क गए और वहां से वापस लौट गए। लेकिन आपको वाशिंगटन जाने की जरूरत क्या पड़ी।

किम ने तनाव के बीच देश की सफलताओं का किया दावा

सियोल (एजेंसी)। उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन ने इस साल रिकॉर्ड मिसाइल परीक्षण करने के बाद एक अहम राजनीतिक बैठक में अपने देश के सामने आने वाली मुश्किलों और चुनौतियों से निपटने के लिए मजबूत प्रयास करने का आह्वान किया। यह बैठक ऐसे वक्त में हो रही है जब उत्तर कोरिया के मानवरहित विमानों (ड्रोन) ने दक्षिण कोरिया के हवाई क्षेत्र में प्रवेश किया है। इस घटना से दोनों देशों के बीच तनाव और बढ़ गया है। आधिकारिक कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी ने मंगलवार को बताया कि प्योंगयांग में सोमवार को सत्तारूढ़ वर्कर्स पार्टी की पूर्णकालिक बैठक बुलायी गयी, जिसमें पूर्व परियोजनाओं की समीक्षा की जाएगी और अगले साल की कार्य योजना पर चर्चा की जाएगी।

कुछ विशेषज्ञों का कहना है कि किम इस बैठक में अपने परमाणु शस्त्रागार का विस्तार करने तथा अमेरिका और दक्षिण कोरिया तक मार करने में समक्ष उच्च-तकनीक वाले हथियार बनाने के संकल्प को पुनः दोहरा सकते हैं। साथ ही वह महामारी के कारण नष्ट हुए आजीविका के साधनों की बहाली करने वाली परियोजनाओं की रूपरेखा भी रख सकते हैं। अपने भाषण में किम ने 2021 में पार्टी की एक बड़ी बैठक के बाद से मुश्किलों और चुनौतियों की तुलना ''क्रांति के 10 साल के संघर्ष से की।'' उन्होंने दावा किया कि उत्तर कोरिया ने ''कठिन समय में'' कुछ सफलताएं हासिल कीं। उन्होंने कहा कि राजनीतिक, सैन्य, आर्थिक और सांस्कृतिक क्षेत्रों में उनके देश की शक्ति ''उल्लेखनीय'' रूप से बढ़ी है।

केसीएनए ने कहा कि किम ने इस साल हासिल की गयी ''शानदार'' उपलब्धियों की समीक्षा की और उत्तर कोरियाई शैली के समाजवाद को हासिल करने के लिए ''सामरिक और रणनीतिक'' कार्यों का खाका खींचा। बहरहाल, एजेंसी ने उन उपलब्धियों की जानकारी नहीं दी जिन्हें हासिल करने का किम ने दावा किया है। वर्कर्स पार्टी की बैठक कई दिन तक चल सकती है और किम हथियार निर्माण, अमेरिका के साथ संबंध और बाद के सत्रों में अर्थव्यवस्था जैसे मुद्दों पर बात कर सकते हैं। इस साल किम की सेना ने रिकॉर्ड संख्या में मिसाइल परीक्षण किए, जिनमें से कई हथियार अमेरिका के मुख्य भूभाग और उसके सहयोगियों दक्षिण कोरिया और जापान तक पहुंचने में सक्षम हैं।

गौरतलब है कि सोमवार को कोरियाई प्रायद्वीप पर तनाव उस समय और बढ़ गया जब दक्षिण कोरिया की सेना ने देश के हवाई क्षेत्र में प्रवेश करने वाले कई उत्तर कोरियाई ड्रोन पर हमले के लिए लड़ाकू विमानों का इस्तेमाल किया और चेतावनी देते हुए गोलीबारी की। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि क्या उत्तर कोरिया के किसी ड्रोन को मार गिराया गया। दक्षिण कोरिया ने कहा कि उसने भी अपनी निगरानी प्रणाली सीमा पार भेजी है।

संपादकीय

काबुल में तालिबान का अतिवाद

नए तालिबान नेता जो विदेशों में पले-बढ़े हैं उनकी पृष्ठभूमि देखते हुए लगता था कि वे अपने बुर्जुगों की गल्तियों से कुछ सीखेंगे। इसी आशा में भारत सरकार ने हजारों टन अनाज और दवाइयां काबुल भिजवाईं और अपने दूतावास को भी सक्रिय कर दिया। कुछ माह तक लगता रहा कि ये नए तालिबान पश्तूनी आर्य परंपरा का पालन करेंगे।

(लेखक-डॉ. वेदप्रताप वैदिक)

पिछले साल काबुल में तालिबान की सरकार कायम हुई तो मुझे आशा थी कि पिछली तालिबानी सरकार की तुलना में यह सरकार अधिक उदार और समझदार होगी। काबुल और दोहा के कई तालिबानी नेताओं से मेरा संपर्क भी हुआ। पुराने तालिबान भी इस बार काफी संयत लगे। नए तालिबान नेता जो विदेशों में पले-बढ़े हैं उनकी पृष्ठभूमि देखते हुए लगता था कि वे अपने बुर्जुगों की गल्तियों से कुछ सीखेंगे। इसी आशा में भारत सरकार ने हजारों टन अनाज और दवाइयां काबुल भिजवाईं और अपने दूतावास को भी सक्रिय कर दिया। कुछ माह तक लगता रहा कि ये नए तालिबान पश्तूनी आर्य परंपरा का पालन करेंगे। वे स्त्रियों की समानता और शिक्षा के मामले में प्रगतिशील रूख अपनाएंगे। शुरु में उन्होंने कुछ ढील दी भी लेकिन अब उन्होंने औरतों के लिए बुर्का अनिवार्य कर दिया है। कोई भी औरत अकेली घर के बाहर नहीं निकल सकती। सारे स्कूलों और कालेजों में स्त्री-शिक्षा बंद हो गई है। सरकारी दफ्तरों से औरत कर्मचारियों की छुट्टी कर दी गई है। इनके कारण अफगानिस्तान में आजकल कोहराम मचा हुआ है। बादशाह ज़ाहिरशाह का 55 साल पहले का वह जमाना मुझे याद है जब काबुल विश्वविद्यालय में मेरे साथ ढेरों लड़कियां पढ़ती थीं दर्जनों महिला प्रोफेसर सक्रिय थीं और सरकारी दफ्तरों में महिलाएं स्कर्ट और ब्लाउज पहने बेधड़क काम करती थीं। बादशाह अमानुल्लाह के ज़माने (1909) से आधुनिकीकरण की ऐसी लहर अफगानिस्तान में चली थी कि उसके सामने सारे इस्लामी मुल्क फीके पड़ गए थे। हर अफगान गर्व करता था कि वह प्राचीन आर्य सभ्यता का संवाहक है। काबुल का आसामाई मंदिर बामियान की बुद्ध प्रतिमा जलालाबाद की बौद्ध गुफाएं और कई जैन-अवशेष मैंने स्वयं जाकर देखे थे। अफगान सरकार के कई उच्च पदों पर उन दिनों कई हिंदू सिख और शिया लोग प्रतिष्ठित थे लेकिन अब तो इस्लाम में गहरी आस्था रखनेवाले लोग भी अफगानिस्तान छोड़कर बाहर भाग रहे हैं। भारतीय दूतावास में वीज़ा की हजारों अर्जियां आ गई हैं। अफगानिस्तान में आर्थिक संकट बढ़ता जा रहा है। अंतरराष्ट्रीय मदद बहुत कम आ रही है। पाकिस्तान से भी तालिबान के संबंध तनावपूर्ण हो गए हैं। इस्लाम के कुछ भारतीय और पाकिस्तानी विद्वानों का कहना है कि ये तालिबान स्त्री-सम्मान की महान इस्लामी परंपराओं को भी नहीं जानते। स्त्रियों को दरकिनार करनेवाले तालिबान अपने आप को पाकिस्तान सउदी अरब और यू.ए.ई. से भी ज्यादा इस्लामपरस्त मानने लगे हैं। इन मुस्लिम देशों ने भी उन्हें अभी तक कूटनीतिक मान्यता नहीं दी है। यदि तालिबानी जुल्म इसी तरह जारी रहा तो कोई आश्चर्य नहीं कि उन्हें सख्त बगावत का सामना करना पड़ जाए। ईरानी औरतों ने अपनी सरकार की नाक में दम कर रखा है। यदि वैसी ही बगावत काबुल में शुरु हो गई तो भारत-जैसे राष्ट्रों को भी अपनी अफगान-नीति पर पुनर्विचार करना होगा।

सूक्ति

मनुष्य जितना ज्ञान में घुल गया हो उतना ही कर्म के रंग में रंग जाता है।
- विनोबा भावे

तीन चीजों को लम्बी अवधि तक छुपाया नहीं जा सकता सूर्य चन्द्रमा और सत्य।
- गौतम बुद्ध

लॉफिंग ज़ोन

सुरजीत ने हनी का सालाना रिपोर्ट कार्ड देखा तो उस पर बुरी तरह बरस पड़ा, 'इतने कम नम्बर। शर्म नहीं आती? यह हाल तब हैं जब मैंने तुम्हें कहा था कि अगर तुम अच्छे नम्बर लाओगे तो मैं तम्हें साइकिल ले दूंगा। क्या करते रहे, पढ़ने की बजाय?'

'साइकिल चलाना सीखता रहा।' हनी दबे स्वर में बोला।

□ □ □

यात्री (तांगे वाले से), 'स्टेशन तक का कितना लोगे?'

तांगे वाला, 'पांच रूपये और सामान मुफ्त ले चलूंगा।'

यात्री, 'अच्छा तो सामान ही ले चलो। मैं पैदल आता हूं।'

□ □ □

एक महिला ने फलों की दुकान पर फोन किया, 'मैंने एक दर्जन सेब मंगाए थे। आपने ग्यारह क्यों भेंजे हैं?'

'बहन जी' जवाब मिला, एक सड़ा हुआ था। हमने फैंक दिया आपको भी तो फैंकना ही था।'

□ □ □

कल रात सर्कस का एक शेर पिंजरें से बाहर निकल गया। दर्शकों में अफरा-तफरी मच गई थी। सिर्फ रिंग मास्टर शांत था। 'वह कैसे?' संता ने पूछा।

'रिंग मास्टर शेर के पिंजरें का दरवाजा भीतर से बंद कर लिया था।' बंता ने कहा।

सजगता-सतर्कता से ही मुकाबला संभव

शशांक द्विवेदी

चीन में कोरोना के कहर से भारत सहित दुनिया सकते में है। चीन में कोरोना के मामले बेकाबू हो गए हैं। अस्पतालों में जगह नहीं है, श्मशान में लाशों का अंबार लगा है। महामारी विशेषज्ञों के अनुसार अगले तीन महीनों में चीन की 60 प्रतिशत से ज्यादा आबादी कोरोना संक्रमित हो चुकी होगी। ऐसे में एक बार फिर से कोरोना विस्फोट होने की संभावना जताई जा रही है। बीजिंग में कोरोना से सबसे ज्यादा हालत खराब है। गंभीर बीमारियों वाले बहुत से लोग अस्पताल में भर्ती नहीं हो सकते, क्योंकि वहां मरीजों के लिए पर्याप्त बिस्तर और आईसीयू की सुविधा नहीं है। आईएचएमई के निदेशक क्रिस्टोफर मरे के अनुसार चीन की जीरो कोविड नीति वायरस के पहले के वेरिएंट में प्रभावी हो सकती है, लेकिन ओमिक्रोन वेरिएंट की उच्च संप्रेषणीयता में इसे बनाए रखना असंभव है। मरे ने कहा, 'चीन ने वुहान में प्रकोप के बाद से बमुश्किल किसी मौत की सूचना दी है। इसलिए हमने संक्रमण की मृत्यु दर का अंदाजा लगाने के लिए हांगकांग की ओर देखा।' कोरोना से जुड़ी बहुत सारी जानकारियां चीन ने छिपाई इसलिए अब हालात उसके काबू से बाहर हो गए हैं। कोविड के ओमिक्रोन वेरिएंट ने पिछले साल से कहर बरपा रखा है। इसके कई रूपों ने भारत समेत दुनियाभर में करोड़ों लोगों को संक्रमित किया। चीन में अभी ओमिक्रोन का सबवेरिएंट बीएफ.7 फैल रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इसकी संक्रामकता ओमिक्रोन के बाकी सब वेरिएंट्स से कहीं ज्यादा है। बीएफ.7 का संक्रमण से लक्षण दिखने के बीच का वक्त कम है और पहले से कोविड संक्रमित/वैक्सीनेटेड लोगों को भी आसानी से संक्रमित कर सकता है। बीएफ.7 से संक्रमित एक व्यक्ति औसत 10 से 18.6 लोगों को संक्रमित कर सकता है। इसके लक्षण वगैरह ओमिक्रोन के बाकी वेरिएंट्स जैसे ही हैं। चीन में जितनी बुजुर्ग आबादी का वैक्सीनेशन होना चाहिए था, उतना नहीं हुआ। बुजुर्गों को कोविड से सबसे ज्यादा खतरा है। चीन में बूस्टर डोज लगवाने वालों की संख्या भी कम है। यहां 60 साल से ज्यादा उम्र के करीब 50 प्रतिशत लोगों को ही बूस्टर डोज लगी है। चीन का फोकस बड़े पैमाने पर क्वारंटीन और सख्त यात्रा नियमों पर रहा। करीब तीन साल बाद भारी जनविरोध के बाद, चीन ने हाल ही में पाबंदियां हटाई हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, चीन में कोविड के मामले कुछ घंटों में दुगुने होते जा रहे हैं। मौतों के सही आंकड़े बाहर नहीं आ पा रहे। भयावह माहौल की जितनी जानकारी मिली है, हालात उससे कहीं ज्यादा खराब हैं। ताजा आंकड़ों के मुताबिक महज 7 दिनों में दुनियाभर में 36 लाख लोग कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। कोरोना को लेकर बीजिंग में इमरजेंसी हॉटलाइन पर रोजाना 30 हजार से ज्यादा कॉल आ रही हैं, जो कि आम दिनों के मुकाबले छह गुना ज्यादा हैं। स्वास्थ्य सेवालों की पूरी तरह से कमी होने लगी है। भारत समेत पूरी दुनिया की नजर चीन के मौजूदा हालात पर है। डर है कि चीन के रास्ते एक बार फिर कोविड पूरी दुनिया पर छा सकता है। अमेरिका स्थित इंस्टिट्यूट ऑफ हेल्थ मेट्रिक्स एंड इवैल्यूएशन (आईएचएमई) के नए अनुमानों के अनुसार, चीन द्वारा कोविड-19 के कड़े प्रतिबंधों को अचानक हटाने से 2023 तक मामलों में विस्फोट हो सकता है। आईएचएमई के अनुमानों के अनुसार, चीन में मामले 1 अप्रैल, 2023 के आसपास चरम पर होंगे। आईएचएमई के निदेशक क्रिस्टोफर मरे ने कहा कि तब तक चीन की लगभग एक-तिहाई आबादी संक्रमित हो चुकी होगी। चीन कोरोना के आंकड़ों को लगातार छिपा रहा है। चीन के सरकारी आंकड़ों के अनुसार अभी तक महामारी से होने वाली कुल मौतें 5,235 हैं, जबकि आखिरी आधिकारिक मौत 3 दिसंबर को दर्ज की गई थी। चीन के मुकाबले भारत में कोविड की स्थिति खासी बेहतर है। भारत ने अब तक कोरोना वायरस की तीन लहरें झेली हैं। डेल्टा वेरिएंट के चलते आई दूसरी लहर सबसे ज्यादा घातक साबित हुई। पिछले कुछ महीनों से देश में कोविड की स्थिति नियंत्रण में है। 20 दिसंबर, 2022 को सक्रिय कोविड मामलों की संख्या 3,559 बताई गई। बीएफ.7 समेत चीन में ओमिक्रोन के जो भी वेरिएंट्स फैल रहे हैं, वे भारत के लिए नए नहीं। भारत की आबादी में इम्यूनिटी का लेवल कहीं ज्यादा है। ऊपर से मजबूत वैक्सीनेशन प्रोग्राम ने इम्यूनिटी को और बेहतर किया है। चीन में जो कुछ हो रहा है, उसका भारत पर ज्यादा असर नहीं होगा। क्योंकि भारत में ज्यादातर लोगों में हर्ड इम्यूनिटी है, भले ही हमारा बूस्टर डोज काउंट कम है। केंद्र सरकार ने लोगों को भीड़भाड़ में मास्क लगाने की सलाह दी है। केंद्र सरकार ने सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को सभी कोविड पॉजिटिव मामलों के नमूने प्रतिदिन जीनोम सीक्वेंसिंग लैब में भेजने का निर्देश दिया है, ताकि वहां इस सैंपल का जिनोम सीक्वेंसिंग हो सके। साथ ही अगर कोरोना का कोई नया वेरिएंट पनपता है तो उसे ट्रैक किया जा सके। आजकल बदलते मौसम से लोगों में सर्दी और खांसी-जुकाम के लक्षण हैं। तीन दिन से ज्यादा बुखार है, तो कोविड टेस्ट करवा सकते हैं। भारत को भी सचेत होने की जरूरत है।

लेखक मेवाड़ यूनिवर्सिटी में डायरेक्टर हैं।

चुनाव की प्रकिया से आहत होता लोकतंत्र

जिस रस्सी के सहारे हम किला फतह करते है वही रस्सी अगर गले में लिपट जाये तो फिर कौन बचा सकता है?

यही हाल हमारे देश की राजनीतिक का है।

आजाद भारत का सपना देखनेवाले अनगिनत युवाओ ने अपने जान की आहुति दी ,इसलिए ताकि अन्य स्वतंत्र और विकसित देशो की तरह हमारा देश भी स्वतंत्र और विकसित हो ।आजादी के बाद भारत को लोकतंत्र घोषित किया गया और चुनाव की प्रकिया के द्वारा जनप्रतिनिधि के माध्यम से शासन की व्यवस्था की गई।मगर यही चुनाव भारत के लोकतंत्र में गले में लिपटी रस्सी बन गई है ?देश के विकास में बाधक बन रही है।

"एक देश एक चुनाव की जगह ,एक देश चुनाव अनेक " की व्यवस्था ने देश की प्रगति का मार्ग में बाधा खड़ी कर दी है।

लोकसभा चुनाव, विधानसभा चुनाव, पंचायत चुनाव, नगर निकाय चुनाव, छात्रसंघ चुनाव, एम एल सी चुनाव आदि आदि? ने देश की सारी राजनीतिक पार्टियो का ध्यान पूरे चुनावी सत्र में चुनाव पर ही लगा रहता है।इन्हे चुनाव की रणनीति ,चुनाव प्रचार, चुनाव की व्यवस्था, वोट की गिनती

पार्टी के द्वारा चुनाव जीतने की जद्दोजहद कारण देश की सारी पार्टीयो का ध्यान मात्र चुनाव में लगा रहता है लोकसभा से लेकर पंचायत चुनाव तक में चुनावी पार्टियों में का ध्यान लगा रहता है।राष्ट्रीय स्तर के बड़े पार्टी भी साल-भर चुनाव की तैयारी में लगे रहते है ।प्रत्येक वर्ष किसी न किसी राज्य में चुनाव अवश्य होता है और सारे पक्ष विपक्ष के नेताओ का सारा ध्यान चुनाव में ही लगा रहता है तो भला विकास का काम कब करेगे?

शासन करनेवाले हाथो में विकास के प्रपत्र की जगह चुनाव प्रचार का पर्चा होता है तो भला विकास कैसे होगा?

वर्तमान समय में भारत में कुल 28 राज्य और 8 केंद्र शासित प्रदेश हैं। अगस्त 2019 से पहले भारत में कुल 29 राज्य और 7 केंद्र शासित प्रदेश थे। लेकिन 5 अगस्त 2019 में जम्मू-कश्मीर से धारा-370 हटने के बाद, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख को केंद्र शासित प्रदेश घोषित कर दिया गया। इससे भारत में राज्यों की संख्या 29 से घटकर 28 हो गई। और केंद्र शासित प्रदेशो की संख्या 7 से बढ़कर 8 हो गई,और प्रत्येक वर्ष हर आठ या नौ राज्यों में विधानसभा चुनाव होते है एवं आठ नौ राज्यों में पंचायत या नगर निकाय चुनाव होते है मतलब यह कि, प्रत्येक साल पूरे वर्ष भर कही न कही चुनाव होते रहते है और देश का सारा सिस्टम इस चुनाव की प्रकिया में लगा रहता है फिर विकास की बात बेमानी सी लगती है।

जितना पैसा देश का चुनाव में खर्च किये जाते है उसे यदि देश विकास में लगाया जाए तो स्थिति बेहतर होगी।पार्टी द्वारा चुनाव में किया जानेवाला खर्च भी भ्रष्टाचार को बढावा दे रहा है क्योंकि राजनीतिक पार्टी चुनाव आयोग को जो खर्च का विवरण देती है ,पार्टी उससे कही ज्यादा खर्च करती है जिसमें ज्यादातर पैसा कालाधन होता है जिसे गलत तरीके से राजनीतिक पार्टी चुनाव के लिए इकठ्ठा करती है।

पार्टी के टिकट के लिए टिकट की भी बोली लगती है जो व्यक्ति जितना ज्यादा पैसा राजनीतिक दल को देता है उसे पार्टी का टिकट हासिल होता है।और न जाने कितनी ही विकृति हमारे देश में चुनाव की वजह से आई है जिसने देश में भ्रष्टाचार को बढा दिया है ?देश के विकास में लगने वाला धन चुनावी प्रकिया में लगकर देश का नुकसान कर रही है।

चुनाव प्रचार के दौरान भी उम्मीदवारों द्वारा जमकर खर्च किया जाता है ,जो रूपयों की बर्बादी के सिवा और कुछ भी नही है। देश के विकास के लिए चुनाव की जो प्रकिया देश में चल रही है उसमें सुधार होना अतिआवश्यक है।एक राष्ट्र एक चुनाव का नियम होना जरूरी है।माना की पूरे देश में एकसाथ बड़े पैमाने पर चुनाव होना मुश्किल है परंतु लोकसभा की तरह ही विधान सभा एवं अन्य चुनाव एकसाथ पुरे देश में करवाए जाए तो सुधार की स्थिति बन पायेगी ।

लेखिका: सुनीता कुमारी
पूर्णियाँ ,बिहार

प्रोध पर काबू पाना सीखों

यदि आपको कोई कुत्ता कहता है तो आप उसे भौंकें नहीं बल्कि मुस्कुराएँ। गालियाँ देने वाला स्वयं ही शर्मिन्दा हो जाएगा। अन्यथा सचमुच कुत्ता बन जाओगे। यह बात राष्ट्रसंत मुनिश्री तरुण सागर जी महाराज ने प्रवचन के दौरान कही। उन्होंने कहा कि यदि कोई आपको गालियाँ देता है और आप उसे स्वीकार नहीं करते तो वह गालियाँ उसी के पास रह जाती हैं। भगवान महावीर को भी लोगों ने गालियाँ दीं। उन्होंने कहा कि जीवन में शांति पाने के लिए प्रोध पर काबू पाना सीख लो। जिसने जीवन से समझौता करना सीख लिया वह संत हो गया। वर्तमान में जीने के लिए सजग और सावधान रहने की आवश्यकता है। तथाकथित आधुनिक सभ्यता एवं पाश्चात्य संस्कृति का अनुकरण कर रही नई पीढ़ी को समझाइश देते हुए मुनिश्री ने कहा कि शादी करना है तो जागते हुए करो। परिजनों की मर्जी को दरकिनार कर घर से भागने की प्रवृत्ति आपके जीवन को अंधकारमय बना सकती है। उन्होंने युवतियों से कहा कि कभी भी घर से भागकर शादी मत करना। विधर्मी से शादी करने पर आपको वह सब भी करना पड़ सकता है जिसकी कल्पना आपने कभी न की होगी। उन्होंने कहा कि फिल्म के तीन घन्टे तथा जीवन में काफी अंतर होता है। वास्तु शास्त्र ज्योतिष व धर्म के नाम पर पाखण्ड एवं ग्लैमर की चकाचौंध को लेकर श्रद्धालुओं को खबरदार करते हुए मुनिश्री ने कहा कि जिसके भाग्य में जो लिखा है वही मिलेगा और परेशान होने से कुछ अतिरिक्त प्राप्त नहीं होने वाला। उन्होंने कहा कि सर्वोच्च सत्ता ईश्वर ही होता है और वह यदि आपसे नाराज है तो दुनिया की कोई ताकत या वास्तु शास्त्र आदि आपकी मदद नहीं कर सकता।

क्या आप भी जल्दी जल्दी नौकरी बदलते हैं ? ये हैं फायदे एवं नुकसान

एक तो लोगों को नौकरी मिलना आज के समय में बेहद मुश्किल का कार्य है, वहीं कई लोग भाग्यशाली होते हैं, जिन्हें एक नौकरी छोड़ने से पहले ही दूसरी नौकरी मिल जाए ! ऐसे में थोड़ी ग्रोथ के लिए लोगबाग जल्दी-जल्दी नौकरी चेंज करने लगते हैं। शायद आप भी उनमें से हों, किन्तु अगर आप भी जल्दी जल्दी नौकरी चेंज करते हैं तो यह जान लें कि शार्ट टर्म में बेशक इसके कुछ फायदे दिखें, किन्तु दीर्घावधि में इसका काफी नुक्सान होता है।

हालांकि अभी के समय में हालात यह हैं कि अब पहले की तरह लोग एक ही नौकरी पर बहुत दिन तक कार्य नहीं करते हैं, बल्कि नौकरी चेंज करने में वह अपनी ग्रोथ देखते हैं, और उसी अनुरूप डिसीजन भी लेते हैं।

किंतु जॉब बदलने का फैसला कुछ मामलों में बेशक ठीक लगता है, किंतु कुछ मामलों में यह कहीं ना कहीं नुकसान देता है। आइये जानते हैं.अगर फायदे की बात करें तो आप यह जान लीजिए कि जॉब बदलने में सबसे पहले तो कुछ परसेंट ही सही, मगर आपकी सैलरी बढ़ जाती है। निश्चित रूप से हर व्यक्ति चाहता है कि उसे उसके काम के अधिक से अधिक पैसे मिलें, और एक नौकरी में अगर उस अनुरूप ग्रोथ नहीं होती है, तो वह जॉब बदलना चाहता है, और ऐसे में उसे तुरंत ही ग्रोथ मिल जाती है।

वहीं अगर दूसरे फायदे की बात करें तो इससे पर्टिकुलर इंडस्ट्री में आपका नेटवर्क बेहतर होता है। अगर एक कंपनी में आप जॉब करते हैं, फिर दूसरी कंपनी में जाते हैं, और इस तरीके से अलग-अलग कंपनी में आपका बेस तैयार होता चला जाता है।

इसके अलावा सबसे बड़ी बात यह है कि एक ही कंपनी में काम करने पर आप कंफर्ट जोन में आ जाते हैं। आपकी स्किल कहीं ना कहीं सैचुरेट हो जाती है, तो दूसरी कंपनी में जब आप जाते हैं, तो वहां कुछ ना कुछ नया सीखने को अवश्य मिलता है। चाहे वहां आपका नया सीनियर हो, चाहे वहां का इनवायरमेंट हो, आप उस कंपनी से नई चीजें जरूर सीखते हैं, और यह वह चीज है जो आपको आने वाले दिनों में मजबूती करती है। इसके अलावा कई भारत लोग एक जगह पर कार्य करने से बोर भी हो जाते हैं, ऐसे में नयी जॉब में उन्हें नयापन भी मिलता है।

हालांकि यह इसका पॉजिटिव पक्ष है, किंतु कुछ निगेटिव पक्ष भी हैं, जिन्हें आपको अवश्य ध्यान में रखना चाहिए।

नुकसान की बात करें तो बार बार जॉब चेंज करने से पोजीशन के मामले में आपके आगे बढ़ने पर असर पड़ सकता है। जी हाँ ! एक ही कंपनी में जब आप काम करते हैं, तो वहां आपकी कांरस्टेंट ग्रोथ होती है। वहां आपको प्रमोशन मिलता रहता है, किंतु जब आप दूसरी कंपनी में जाते हैं, तो सीनियर पोजिशन पर आपको पहुंचने में कहीं ना कहीं दिक्कत होती है।

इससे आपकी लॉयल्टी भी चेक की जाती है। अगर आप कुछ ज्यादा ही जॉब चेंज करते हैं, तब आपको किसी हायर पोजिशन पर जॉब देने से एचआर मैनेजर निश्चित ही कई बार सोचेगा।

कंपनी अगर किसी जिम्मेदारी वाली पोस्ट पर आप की हायरिंग कर भी लेती है, तो भी कंपनी श्योर नहीं हो पाती है कि आप आखिर कितने दिन जॉब करेंगे ? कहीं आप बीच में ही जॉब छोड़ कर कहीं और तो नहीं चले जाएंगे ? ऐसे में आप शक के घेरे में आ जाते हैं !

यह कार्य सिर्फ पोजीशन के मामले में ही नहीं है, बल्कि प्रोजेक्ट अलॉटमेंट के मामले में भी है, तो क्लाइंट इंटरेक्शन के मामले में भी है। जब तक आप किसी कंपनी के लम्बे समय तक वफादार नहीं होते हैं, तब तक किसी बड़े प्रोजेक्ट की कमांड आपके हाथ में देने से निश्चित रूप से वह कंपनी हिचकिचाएगी। इसी प्रकार से बड़े क्लाइंट हैंडलिंग में भी कंपनी आपको तब तक इंवॉल्व नहीं करेगी, जब तक आप उसके प्रति लॉयल साबित न हो जाएँ ! ऐसे में कहीं ना कहीं बड़ी संभावनाओं से आपके दूर रहने की शुरुआत हो जाती है।

कंपनी बार-बार चेंज करने का आपके फाइनेंसियल पोजीशन पर भी खासा असर पड़ता है। चाहे आप क्रेडिट कार्ड एप्लीकेशन के लिए अप्लाई करें, चाहे आप होम लोन या दूसरे लोन के लिए अप्लाई करें.आपकी फाइनेंशियल स्टेबिलिटी जरूर चेक की जाती है। आप किस कंपनी में कितने लंबे समय तक रहे हैं, यह आपके लिए एक प्लस प्वाइंट साबित होता है। वहीं अगर आप बार-बार अपनी जॉब चेंज करते हैं, तो कहीं ना कहीं आप की फाइनेंसियल स्टेबिलिटी पर एक सवाल खड़ा होता है।

मैनेजेरियल स्किल डेवलपमेंट पर पड़ता है फर्क

जी हां ! ऊपर से आपको बेशक लगे कि आप कुछ चीजें ऊपर ऊपर समझ गए हैं, किंतु प्रबंधन के गुणों को आप तब तक नहीं समझ सकते, जब तक आप किसी कंपनी में देर तक नहीं टिकेंगे ! कहीं टिक कर काम करने के बाद ही कंपनी पॉलिटिक्स, प्रबंधन टेक्निक आप समझ पाते हैं। कंपनी अपने इन्वेस्टमेंट डिसीजंस किस प्रकार लेती है, वास्तव में उसकी रुचि और भविष्य की योजनायें क्या हैं, यह आप गहराई से एक समय के बाद ही समझ पाते हैं। अगर बाद में आप कभी अपना उद्यम शुरू करना चाहें, तो इसलिए जरूरी है कि किसी कंपनी में आप देर तक टिक कर काम करें, अन्यथा आप उसकी गहराई को नहीं समझ पाएंगे।

पॉलीमर साइंस में बीटेक करने के बाद है शानदार करियर संभावनाएं

विदेश ही नहीं, भारत में भी कई पॉलिमर और पेट्रोकेमिकल इंडस्ट्रीज खुल चुकी हैं। नतीजतन, करियर विकल्प के रूप में केमिकल इंजीनियरिंग या पॉलिमर इंजीनियरिंग का महत्व कई गुना बढ़ गया है। अगर आप इस क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं तो 12वीं के बाद पॉलीमर साइंस में बीटेक कर सकते हैं।

मौजूदा तकनीकी दौर में पॉलीमर प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल दिन-ब-दिन बढ़ता जा रहा है। इनमें प्लास्टिक, मोल्डेड सामग्री, सिंथेटिक फाइबर, रबर आदि शामिल हैं। इको-फ्रेंडली और रीसाइक्लेबल प्लास्टिक के साथ इन सभी पॉलीमर प्रोडक्ट्स के उचित प्रबंधन की आवश्यकता भी समय के साथ बढ़ रही है। यह काम पॉलिमर इंजीनियर्स करते हैं। वे प्लांट डिजाइन, प्रोसेस डिजाइन और थर्मोडाइनेमिक्स के सिद्धांतों का उपयोग करते हैं। विदेश ही नहीं, भारत में भी कई पॉलिमर और पेट्रोकेमिकल इंडस्ट्रीज खुल चुकी हैं। नतीजतन, करियर विकल्प के रूप में केमिकल इंजीनियरिंग या पॉलिमर इंजीनियरिंग का महत्व कई गुना बढ़ गया है। अगर आप इस क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं तो 12वीं के बाद पॉलिमर साइंस में बीटेक कर सकते हैं। आज के इस लेख में हम आपको पॉलिमर साइंस में बीटेक के बाद करियर अवसर के बारे में जानकारी देंगे-

पॉलिमर इंजीनियरिंग में बीटेक के बाद सार्वजनिक क्षेत्र के अवसर

पॉलिमर इंजीनियरिंग में बीटेक के बाद आप सरकारी फर्मों जैसे सेंट्रल ग्लास एंड सिरेमिक रिसर्च इंस्टीट्यूट, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, राउरकेला और सेंट्रल साल्ट एंड मरीन केमिकल्स रिसर्च इंस्टीट्यूट आदि में बतौर जूनियर रिसर्च फेलो काम कर सकते हैं। इन फेलोशिप कार्यक्रमों के लिए आवेदन करने के लिए उम्मीदवारों को राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण करने की आवश्यकता है। कुल मिलाकर कम से कम 55% अंकों के साथ एम।टेक डिग्री प्राप्त करने के बाद कोई भी नेट के लिए बैठ सकता है। जिन उम्मीदवारों ने अपनी बी टेक डिग्री में 60% अंक प्राप्त किए हैं, वे भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) में वैज्ञानिक या इंजीनियर के रूप में 40,000/- रुपये के मासिक वेतन के साथ काम कर सकते हैं। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन भी वैज्ञानिक बी पद की भूमिका में पॉलिमर इंजीनियरिंग स्नातकों की भर्ती करता है। इनके अलावा सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ प्लास्टिक इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, ब्रह्मपुत्र क्रैकर एंड पॉलिमर लिमिटेड (बीसीपीएल) जैसे संगठन भी पॉलिमर इंजीनियरिंग में बी टेक स्नातकों को नियुक्त करते हैं। इनके अलावा स्नातक डिग्री धारक पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय, ऑयल इंडिया लेबोरेटरीज, पेट्रोकेमिकल्स इंजीनियरिंग प्लांट्स और ऑयल एंड नेचुरल गैस कमीशन (ओएनजीसी) आदि विभागों में भी रोजगार पा सकते हैं। उम्मीदवार विभिन्न इंजीनियरिंग संस्थानों में लेक्चरर पद का विकल्प भी चुन सकते हैं।

पॉलिमर इंजीनियरिंग में बीटेक के बाद निजी क्षेत्र के अवसर

जर्मन आधारित कंपनी विंडमोलर एंड होल्शर, अक्सर अपने मैकेनिकल इंजीनियरिंग अनुभाग में संचालन करने के लिए पॉलिमर इंजीनियरों की भर्ती करती है। 7 से 8 साल के कार्य अनुभव वाले लोग एलाइड सॉल्यूशंस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड में सेल्स/बिजनेस डेवलपमेंट सेक्शन में जा सकते हैं। यहाँ आप 35,000/- से रु। 50,000/- प्रति माह तक की सैलरी पा सकते हैं। अपोलो टायर्स लिमिटेड, सिएट लिमिटेड आदि जैसी टायर कंपनियों को भी पॉलिमर इंजीनियर्स की जरूरत है। पॉलीमर इंजीनियरिंग में स्नातकों के लिए क्वालिटी इंजीनियर, प्रोडक्शन इंजीनियर्स/ टेक्नोलॉजिस्ट, पॉलीमर स्पेशलिस्ट आदि सामान्य जॉब प्रोफाइल हैं।

प्रतिभावान विद्यार्थियों को तराशती योजना राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा

नेशनल टेलेंट सर्च यानी राष्ट्रीय प्रतिभा खोज एनसीईआरटी की एक प्रमुख योजना है। इसका उद्देश्य प्रतिभावान विद्यार्थियों का पता लगाना और उनकी प्रतिभा को बढ़ाना है। इसके तहत विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, इंजीनियरिंग, चिकित्सा विज्ञान, प्रबंधन और विधि जैसे क्षेत्रों को शामिल किया गया है। यह योजना प्रतिभावान विद्यार्थियों को मासिक स्कॉलरशिप के रूप में आर्थिक मदद दे कर सहयोग देती है। इस योजना में बेसिक साइंस, सामाजिक विज्ञान और वाणिज्य के पाठ्यक्रमों के लिए पीएचडी स्तर तक सहायता प्रदान की जाती है। व्यावसायिक पाठ्यक्रमों जैसे इंजीनियरिंग, चिकित्सा विज्ञान, प्रबंधन एवं विधि के लिए पीजी स्तर तक सहायता दी जाती है। एनसीईआरटी द्वारा राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा का आयोजन कक्षा 8 स्तर पर किया जाता है।

स्कॉलरशिप

परीक्षा आयोजन के आधार पर कक्षा 8 की परीक्षाओं के लिए बैठे छात्रों के प्रत्येक समूह के लिए 1000 स्कॉलरशिप दी जाती हैं।

स्कॉलरशिप की राशि प्रत्येक माह 500 रुपए होती है। अनुसूचित जाति के छात्रों के लिए 15 प्रतिशत, अनुसूचित जनजाति के छात्रों के लिए 7.5 प्रतिशत और विकलांग छात्रों के लिए 3 प्रतिशत स्कॉलरशिप आरक्षित होती है। स्कॉलरशिप का भुगतान सीधे प्राप्तकर्ता को न देकर संबद्ध संस्थान के प्रमुख के माध्यम से दिया जाता है।

चयन प्रक्रिया

प्रतिभाओं की पहचान दो स्तरीय लिखित परीक्षा के आधार पर की जाती है। प्रथम स्तर का चयन अलग-अलग राज्य/यूनियन टेरेटरीज द्वारा लिखित परीक्षा के माध्यम से किया जाता है। प्रथम स्तर की परीक्षा में सफल अभ्यर्थी ही एनसीईआरटी द्वारा संचालित द्वितीय स्तर की परीक्षा में भाग लेने के लिए पात्र माने जाते हैं। राज्य और यूनियन टेरेटरीज राष्ट्रीय प्रतिभा खोज योजना की प्रथम स्तर की लिखित परीक्षा के साथ राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित छात्रवृत्ति योजना की भी परीक्षा आयोजित करते हैं।

पात्रता

मान्यताप्राप्त विद्यालयों के 8वीं कक्षा में अध्ययनरत विद्यार्थी उस राज्य/यूनियन टेरेटरी द्वारा संचालित प्रथम स्तर की परीक्षा में बैठने के पात्र होते हैं, जिस राज्य में विद्यालय स्थित है।

आवेदन प्रपत्र

आवेदन-प्रपत्र प्राप्त करने के लिये राज्य संपर्क अधिकारी से संपर्क करें। आवेदन-प्रपत्र एनसीईआरटी की वेबसाइट से भी डाउनलोड किया जा सकता है। भरे हुए आवेदन प्रपत्र विद्यालय के प्राचार्य द्वारा हस्ताक्षरित होने चाहिए। आवेदन प्रपत्र जमा कराने की अंतिम तिथि तथा प्रपत्र कहां जमा कराया जायेगा, इस संबंध में संबंधित राज्य/संघ राज्य-क्षेत्र के संपर्क अधिकारी से पता किया जा सकता है। विभिन्न राज्यों की आवेदन प्रपत्र जमा कराने की अंतिम तिथियां भिन्न हो सकती हैं।

शुल्क

एनसीईआरटी द्वारा द्वितीय स्तर की परीक्षा के लिए कोई शुल्क नहीं लिया जाता। राज्य और यूनियन टेरेटरी प्रथम परीक्षा के लिए अपेक्षित शुल्क के भुगतान के लिए अधिसूचना जारी कर सकते हैं। इसलिये आवेदन प्रपत्र जमा करने से पहले कितनी और कैसे फीस दी जायेगी, इसका पता अपने राज्य संपर्क अधिकारी से लगा लेना चाहिए।

परीक्षा माध्यम

परीक्षा हिन्दी व अंग्रेजी के साथ असमी, बंगला, गुजराती, कन्नड़, मराठी, मलयालम, उड़िया, पंजाबी, तमिल, तेलुगु, उर्दू में संचालित की जाएगी। अभ्यर्थी आवेदन प्रपत्र में जिस भाषा में परीक्षा देना चाहते हैं, उस विकल्प का उल्लेख करें। इसके आधार पर ही अभ्यर्थी को उस भाषा में प्रश्न पुस्तिका उपलब्ध कराई जाएगी।

परीक्षा-विधि

8वीं के लिए लिखित परीक्षा की विधि इस प्रकार है - प्रथम स्तर की राज्य/ यूनियन टेरेटरी स्तर पर संचालित परीक्षा में दो भाग होंगे (अ) मानसिक योग्यता परीक्षण (एमएटी) और (ब) शैक्षिक योग्यता परीक्षण (एसएटी)। इनमें सामाजिक विज्ञान, विज्ञान और गणित विषय शामिल होंगे। द्वितीय स्तर की राष्ट्रीय स्तर पर संचालित परीक्षा में (अ) मानसिक योग्यता परीक्षण (एमएटी) और (ब) शैक्षिक योग्यता परीक्षण (एसएटी) शामिल होंगे। इनमें सामाजिक विज्ञान, विज्ञान और गणित विषय शामिल होंगे। (स) इंटरव्यू - इंटरव्यू के लिए उन्हीं अभ्यर्थियों को आमंत्रित किया जाएगा, जिन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर संचालित लिखित परीक्षा उत्तीर्ण की हो।

लिखित परीक्षा

लिखित परीक्षा में प्रथम भाग एमएटी और द्वितीय भाग एसएटी शामिल होंगे। दोनों परीक्षाएं एक छोटे से अंतराल पर अलग-अलग ली जाएंगी। मानसिक योग्यता परीक्षा- एमएटी - चार विकल्पों सहित इसमें 90 मल्टीच्वॉइस प्रश्न होंगे, जिनमें से केवल एक सही उत्तर होगा। प्रत्येक प्रश्न एक अंक का होगा। समय 90 मिनट होगा।

स्कॉलरशिप पाने की सामान्य शर्तें

स्कॉलरशिप प्राप्त करने के लिए यह जरूरी है कि उम्मीदवार अनुमोदित पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत हो। वह अच्छा आचरण बनाए रखता हो (संस्थान प्रमुख द्वारा प्रमाणित) और अपना अध्ययन एक नियमित विद्यार्थी के रूप में कर रहा हो। बिना उचित अवकाश के अनुपस्थित न होता हो। पूर्णकालिक आधार पर अध्ययन करता हो। कोई रोजगार नहीं करता हो। राष्ट्रीय प्रतिभा खोज योजना पीएचडी कोर्स को छोड़ कर छात्रवृत्ति प्राप्तकत्ताओं को कोई अन्य स्कॉलरशिप स्वीकार करने से वंचित नहीं करती, अलबत्ता किसी भी पाठ्यक्रम के लिए विदेश में अध्ययन के लिए कोई स्कॉलरशिप उपलब्ध नहीं होगी। यदि कोई प्राप्तकर्ता पंजीकरण/प्रवेश के एक माह के अंदर अपने पाठ्यक्रम का अध्ययन छोड़ता है तो उसे कोई स्कॉलरशिप नहीं दी जाएगी।

विजुअल मर्चेंडाइजिंग के क्षेत्र में हैं अपार संभावनाएं

विजुअल मर्चेंडाइजिंग शब्द भले ही कुछ लोगों के लिए नया हो, लेकिन सेल्स और एडवरटाइजिंग के क्षेत्र से जुड़े लोग इससे भली-भांति वाकिफ हैं। विजुअल मर्चेंडाइजिंग वास्तव में एक आर्ट है, जिसमें एक व्यक्ति किसी प्रॉडक्ट या सर्विस को क्लाइंट्स के सामने कुछ इस तरह पेश करता है ताकि वह सेल्स को बढ़ावा दे सके। अब इस कॉन्सेप्ट को रिटेल सेक्टर में एक मार्केटिंग टूल के रूप में उपयोग किया जा रहा है। इस क्षेत्र में वह सभी गतिविधियां शामिल हैं, जो रिटेल स्टोर्स में उत्पादों की बिक्री बढ़ाने में मदद करती हैं। उदाहरण के तौर पर, प्रॉडक्ट के संभावित ग्राहकों के माइंड को समझना और उपभोक्ताओं को उत्पाद के बारे में शिक्षित करना व प्रॉडक्ट को बेहद इफेक्ट व क्रिएटिव तरीके से पेश करना आदि। तो चलिए विस्तार से जानते हैं इस करियर के बारे में

क्या है विजुअल मर्चेंडाइजिंग

एजुकेशन एक्सपर्ट बताते हैं कि विजुअल मर्चेंडाइजिंग के क्षेत्र से जुड़े लोगों को विजुअल मर्चेंडाइजर कहा जाता है। विजुअल मर्चेंडाइजर ऐसे पेशेवर हैं जो किसी भी ब्रांड, एक चेहरे को देने के लिए जिम्मेदार हैं। वे ऑनलाइन शॉपर्स और रिटेल स्टोर दोनों के लिए विंडो और स्टोर डिस्प्ले में अवधारणा, डिजाइन और कार्यान्वयन करते हैं। वे स्टोर थीम की योजना बनाते हैं, डिस्प्ले के लिए प्रॉपर की व्यवस्था करते हैं, डिस्प्ले फिक्स्चर और लाइटिंग की व्यवस्था करते हैं, ओपनिंग से पहले स्टोर सेट करते हैं, फ्लोर प्लान के साथ काम करते हैं और डिस्प्ले को बनाने के लिए सेल्स फ्लोर पर स्टोर कर्मियों को प्रशिक्षित करते हैं। एक विजुअल मर्चेंडाइजर का मुख्य उद्देश्य स्टोर की छवि के अनुरूप डिस्प्ले बनाना और अधिक ग्राहकों को स्टोर में लाना है।

शैक्षणिक योग्यता

आजकल ऐसे कई इंस्टीट्यूट हैं जो विजुअल मर्चेंडाइजिंग से संबंधित सर्टिफिकेट व डिप्लोमा कोर्स करवाते हैं। इस कोर्स को करने के लिए छात्र का 12वीं पास होना आवश्यक है। हालांकि अधिकतर जगहों पर विजुअल मर्चेंडाइजिंग को फैशन डिजाइनिंग या फैशन टेक्नोलॉजी कोर्स के तहत पढ़ाया जाता है।

कॅरियर एक्सपर्ट के अनुसार, विजुअल मर्चेंडाइजिंग के कोर्स में छात्रों को विजुअल मर्चेंडाइजिंग से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर प्रशिक्षित किया जाता है जैसे कि रिटेल स्टोर का लेआउट और डिजाइन, इंटीरियर डेकोरेशन, स्टोर के अंदर फर्नीचर और फिक्स्चर की स्थापना, स्टोर डिस्प्ले और उत्पादों की प्रस्तुति, विभिन्न संचार साधनों के उपयोग के जरिए ग्राहकों को आकर्षित करना।

व्यक्तिगत गुण

इस क्षेत्र में कॅरियर देख रहे छात्रों में डिजाइनिंग और क्रिएटिविटी के गुण का होना बेहद आवश्यक है। एक विजुअल मर्चेंडाइजर में बेहतरीन आर्गेनाइजिंग स्किल्स होने के साथ-साथ प्लानिंग, प्रोजेक्ट मैनेजमेंट व टाइम मैनेजमेंट आदि विशेषताएं भी होनी चाहिए। इसके अलावा उनमें संचार व इंटरपर्सनल स्किल्स, समस्या सुलझाने की क्षमता और कंप्यूटर का ज्ञान होना भी जरूरी है। कॅरियर एक्सपर्ट कहते हैं कि विजुअल मर्चेंडाइजर को उपभोक्ताओं के मनोविज्ञान को जानना आना चाहिए और उसे रूझानों का भी पूर्वानमान लगा लेना चाहिए।

संभावनाएं

शॉपिंग मॉल, फाइव स्टार होटल, बुटीक व रिटेल आउटलेट्स की संख्या बढ़ने के साथ ही विजुअल मर्चेंडाइजर्स की मांग में भी काफी इजाफा हुआ है। विजुअल मर्चेंडाइजर फैशन बुटीक, शॉपिंग मॉल, एम्पोरिया, डिजाइन कंपनी, आर्किटेक्चर फर्म, थीम पार्टी ऑर्गनाइजिंग कंपनी आदि में जॉब कर सकते हैं। वे प्रदर्शनियों, मेलों, ब्यूटी कॉन्टेस्ट, अवार्ड सेरेमनी, मॉल, रिटेल में विंडो डिस्प्ले के लिए अनुबंध के आधार पर फ्रीलांसिंग भी कर सकते हैं।

आमदनी

इस क्षेत्र में एक फ्रेशर भी दस से पंद्रह हजार आसानी से कमा सकता है। वहीं कुछ समय के अनुभव के बाद आप किसी बड़े ब्रांड के रिटेल आउटलिट में काम कर सकते हैं और एक आकर्षक पैकेज पा सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, बैंगलोर
- द सिंथेटिक एंड आर्ट सिल्क मिल्स रिसर्च एसोसिएशन, मुम्बई
- स्कूल ऑफ कम्युनिकेशन एंड मैनेजमेंट स्टडीज, कोच्चि
- बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी, ग्रेटर नोएडा

बैंक ऑफ बड़ौदा ने बढ़ाई एफडी की ब्याज दर

नई दिल्ली । बैंक ऑफ बड़ौदा ने वरिष्ठ नागरिकों को एफडी पर दिए जाने वाली ब्याज दर में 65 बेसिस पॉइंट तक का इजाफा कर दिया है! अब बैंक वरिष्ठ नागरिकों को 2 करोड़ रुपए से कम की एफडी पर 7.8 फीसदी तक ब्याज दे रहा है। हालांकि ये ब्याज इसकी स्पेशल एफडी बड़ौदा तिरंगा प्लस डिपॉजिट स्कीम पर मिल रहा है। आम एफडी पर वरिष्ठ नागरिकों को इसमें अधिकतम 7.55 फीसदी और नॉन कैलेबल एफडी 0.25 फीसदी अतिरिक्त ब्याज दिया जा रहा है। बैंक की ये स्कीम 399 दिनों की है। बैंक ने आम एफडी पर सभी टेनोर में ब्याज दरें बढ़ा दी हैं। बढ़ी हुई ब्याज दरें 26 दिसंबर से लागू हो गई हैं। बैंक अब 2 करोड़ रुपए से कम की एफडी पर आम लोगों को अधिकतम 6.75 फीसदी ब्याज दे रहा है।

आंध्र प्रदेश में भी जियो की टू 5जी सेवा शुरू

मुंबई । जियो ने आंध्र प्रदेश में भी जियो टू 5जी सेवा की शुरुआत कर दी है। प्रदेश के तिरुमला विशाखापत्तनम विजयवाड़ा और गुंटूर जियो के 5जी नेटवर्क से जुड़ गए हैं। हाल ही में विजयवाड़ा में लॉंचिंग कार्यक्रम में आंध्र प्रदेश के उद्योग इन्फ्रास्ट्रक्चर निवेश एवं वाणिज्य सूचना प्रौद्योगिकी हथकरघा एवं कपड़ा मंत्री गुडीवाडा अमरनाथ और राज्य के मुख्य सचिव डॉ. केएस जवाहर रेड्डी ने जियो टू 5जी और जियो टू 5जी से चलने वाली वाई-फाई सेवाओं का शुभारंभ किया। इस मौके पर कंपनी ने स्वास्थ्य के क्षेत्र में जियो कम्युनिटी क्लिनिक एआर-वीआर डिवाइस और जियो-ग्लास का डेमो भी दिया। साथ ही बताया कि कैसे इन नई क्रांतिकारी तकनीकों के जरिए आंध्र प्रदेश के लोगों के जीवन में बदलाव आएगा। वहीं अमरनाथ ने कहा कि आंध्र प्रदेश में जियो की टू 5जी सेवा लॉन्च करके मैं बेहद खुश हूं। वक्त के साथ 5जी सेवाएं आंध्र प्रदेश के आम लोगों के जीवन में बड़े बदलाव लेकर आएंगी। उन्होंने कहा कि जियो ने 26000 करोड़ रुपए के मौजूदा निवेश के अलावा आंध्र प्रदेश में 5जी नेटवर्क लगाने के लिए 6500 करोड़ रुपए से अधिक का निवेश किया है। यह निवेश हमारे राज्य के विकास के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दिखाता है। दिसंबर 2023 तक जियो टू 5जी सेवाएं आंध्र प्रदेश के हर शहर हर तालुका हर मंडलम और हर गांव में उपलब्ध कराई जाएंगी।

सेबी ने सीएफएएस और उसके भागीदारों पर तीन साल के लिए पाबंदी लगाई

नई दिल्ली । भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने कैप्रॉयन फाइनेंशियल एडवाइजरी सर्विसेज (सीएफएएस) और उसके भागीदारों को प्रतिभूति बाजारों से तीन साल के लिए प्रतिबंधित कर दिया है। यह पाबंदी बाजार नियामक की मंजूरी के बिना निवेश परामर्श सेवाएं देने के लिए लगाई गई है। सीएफएएस भागीदार कंपनी है और उसके भागीदार सौरभ राय तथा जसमीत कौर बग्गा हैं। सेबी को सीएफएएस और उसके भागीदारों के खिलाफ स्कोर के जरिये शिकायत मिली थी। उसके बाद नियामक ने इस बात की जांच की कि क्या निवेश सलाहकार नियमों का उल्लंघन तो नहीं किया गया है। जांच में पाया गया कि सीएफएएस और राय मध्यस्थ के रूप में कभी सेबी के पास पंजीकृत नहीं थे। हालांकि बग्गा रिसर्च इन्फोटेक के मालिक के रूप में पंजीकृत थे। सेबी के अनुसार सीएफएएस राय और बग्गा नियामक के पास बिना पंजीकरण कराये निवेश परामर्श से जुड़े थे। इस तरह उन्होंने नियमों का उल्लंघन किया।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुम्बई ।

शेयर बाजार मंगलवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये बढ़त दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही दिग्गज कंपनियों के शेयरों में हुई जबरदस्त खरीददारी से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद मुम्बई शेयर बाजार बीएसई का 30 शेयरों वाला प्रमुख सूचकांक 361.01 अंक करीब 0.60 फीसदी ऊपर आकर 60927.43 अंकों पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाले नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (निफ्टी) सूचकांक 121.75 अंक तकरीबन 0.68 फीसदी बढ़कर 18136.35 के स्तर पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान उपभोक्ता क्षेत्र को छोड़कर अन्य सभी क्षेत्र बढ़त के साथ बंद हुए। धातु उर्जा और संपत्ति क्षेत्र के शेयरों में ज्यादा बढ़त रही। बाजार में आये उछाल से निवेशकों की संपत्ति तकरीबन 2.63 लाख करोड़ रुपये बढ़ी है। आज कारोबार में सेंसेक्स के 30 में से 25 शेयर आज बढ़त के साथ बंद हुए। टाटा स्टील टाटा मोटर्स एशियन पेंट्स विप्रो और लर्सन एंड टुब्रो (एलएंटटी) के शेयरों में आज 1.62 फीसदी से लेकर 6.10 फीसदी तक की तेजी रही। वहीं हिंदुस्तान यूनिलीवर (एचयूएल) के शेयर में 0.83 फीसदी की सबसे अधिक गिरावट आई। इसके अलावा नेस्ले इंडिया आईटीसी आईटीसी महिंद्रा एंड महिंद्रा और एनटीपीसी के शेयर भी आज 0.21 फीसदी से लेकर 0.51 फीसदी तक गिरे। वहीं बाजार पूंजीकरण बढ़कर 280.49 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया। वहीं गत कारोबारी दिन सोमवार को यह 277.86 लाख करोड़ रुपये था। इससे पहले

आज सुबह बाजार की तेज शुरुआत हुई। सेंसेक्स सुबह 295 अंकों की तेजी के साथ 60861 के स्तर पर खुला जबकि निफ्टी 75 अंक चढ़कर 18090 के स्तर पर खुला। इसके बाद निवेशकों के सेंटिमेंट पर कोरोना का दबाव दिखा और उन्होंने खरीदारी कम कर दी। इससे सेंसेक्स 225 अंकों की बढ़त के साथ 60791 पर आ गया जबकि निफ्टी 42 अंकों की तेजी के साथ 18056 पर कारोबार करने लगा।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को रुपये में गिरावट दर्ज की गयी। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले मंगलवार को रुपया 20 पैसे टूटकर 82.85 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। वहीं इससे पहले सुबह अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 82.71 के स्तर पर कमजोर खुला और कारोबार के अंत में यह 20 पैसे की गिरावट दिखाते 82.85 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान रुपया 82.69 के उच्चस्तर और 82.87 के निचले स्तर तक पहुंचा। वहीं गत दिवस रुपया 82.65 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। वहीं इसी बीच विश्व की छह प्रमुख मुद्राओं की तुलना में डॉलर की कमजोरी या मजबूती को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.27 फीसदी नीचे आकर 104.02 पहुंच गया। । कच्चे तेल की कीमतों में उछाल से मंगलवार को शुरुआती कारोबार में रुपया नौ पैसे के नुकसान से 82.74 प्रति डॉलर पर आ गया। फॉरेक्स डीलरों ने कहा कि इसके अलावा विदेशी कोषों की निकासी से भी घरेलू मुद्रा दबाव में आ गई।

ई-पेलेटर तीन सालों में जोड़ेगी एक मिलियन रिटेलर को -

पिछले 2 सालों में हासिल की 30 गुना बढ़त और देशभर के 12000 से ज्यादा पिनकोड तक पहुंचाई अपनी सेवाएँ :

मुम्बई/इन्दौर । डिजिटल भारत के लक्ष्य की और तेजी से अग्रसर सूक्ष्म एवं लघु उद्योगों के लिए क्रेडिट फैसिलिटी के क्षेत्र में काम करने वाले एक स्टार्टअप ई-पे लेटर ने अपने 7 सालों की यात्रा में किराना दुकानों और छोटे व्यापारियों के लिए डिजिटल पद्धतियों को स्वीकार करना और आसान बना दिया है और उनके व्यापार के तौर-तरीकों में क्रान्ति ला दी है। सशक्तिकरण नवाचार इमानदारी और ग्राहक सर्वोपरि - इन चार स्थम्भों पर ही कंपनी के सभी निर्णय आधारित रहे हैं। इ-पे लेटर एक आसान वित्तीय सहायता संसाधन से बढ़कर है। यह छोटे व्यवसायों को उनके सपनों को हासिल करने के लिए विशिष्ट रूप से तैयार समाधान और सशक्त मंच प्रदान करता है। देशभर के 12000 पिनकोड्स के किराना व्यापारियों को 3000 करोड़ रूपए से अधिक की क्रेडिट सुविधा प्रदान करने के अलावा इस स्टार्टअप ने पिछले 2 सालों में 30 गुना बढ़त भी दर्ज की है। देश का पहला बाय-नाउ-पे-लेटर फिनटेक स्टार्टअप होने के नाते इ-पे लेटर ने अपने किराना व्यापारियों को आसानी से डिजिटल मोड पर आने में सहायता की है और उनकी कमाई बढाने के साथ ही अपने ग्राहकों के साथ उनके इंगेजमेंट को बढाने में भी मदद की है। कंपनी अगले 3 सालों में 1 मिलियन ग्राहकों तक पहुंचे के लिए पूर्ण रूप से तैयार है। अपनी कंपनी को सफलता के इस पड़ाव पर पहुंचाने वाले ई-पे लेटर के को-फाउंडर औरोको भट्टाचार्य ने कहा कि ÷वर्तमान में देशभर के 650 शहरों में रिटेल व्यापारियों के बीच फैले अपने टेक्नोलॉजी आधारित प्लेटफार्म के माध्यम से हम और भी शहरों में अपनी उपस्थिति को बढ़ाना चाहते हैं और सूक्ष्म और लघु उद्योगों को क्रेडिट और टेक्नोलॉजी की मदद से अपने नेटवर्क के जोड़ते हुए उनके ग्राहकों को बेहतर सेवाएं देने के रास्ते खोलना चाहते हैं।

उपभोक्ता मांग में कमी के कारण मेक इन इंडिया स्मार्टफोन शिपमेंट में 8 प्रतिशत की कमी आई

नई दिल्ली।

आर्थिक प्रतिकूलताओं, खराब उपभोक्ता मांग और बाजार की अनिश्चितताओं के कारण इस वर्ष तीसरी तिमाही में मेक इन इंडिया स्मार्टफोन शिपमेंट (वर्ष-दर-वर्ष) में 8 प्रतिशत की गिरावट आई और यह 52 मिलियन यूनिट से अधिक तक पहुंच गया है। एक नई रिपोर्ट में मंगलवार को यह जानकारी दी गई है।इस साल किसी भी तिमाही में यह पहली गिरावट है। ओप्पो ने 24 प्रतिशत शेयर के साथ मेक इन इंडिया स्मार्टफोन शिपमेंट का नेतृत्व किया, इसके बाद सैमसंग और वीवो का स्थान रहा। काउंटरपॉइंट रिसर्च के अनुसार भारत एफआईएच स्मार्टफोन शिपमेंट के मामले में शीर्ष इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण सेवा (ईएमएस) खिलाड़ी बना रहा और भारतीय खिलाड़ियों के बीच डिक्सन शीर्ष स्मार्टफोन ईएमएस प्रदाता के रूप में उभरा। वरिष्ठ शोध विश्लेषक प्राचीर सिंह ने कहा, दो प्रमुख ताकतों ने स्मार्टफोन शिपमेंट की वृद्धि को प्रभावित किया। सबसे पहले, उपभोक्ता मांग में गिरावट, विशेष रूप से प्रवेश स्तर के खंड में, नकारात्मक व्यापक आर्थिक संकेतकों के कारण और दूसरा तिमाही की शुरुआत में उच्च चैनल इन्वेंट्री ने भी तिमाही के दौरान विनिर्माण को प्रभावित किया। देश के स्मार्टफोन निर्माण पारिस्थितिकी तंत्र में लगभग 63 प्रतिशत इन-हाउस निर्माताओं से और 37 प्रतिशत थर्ड-पार्टी ईएमएस खिलाड़ियों से आने वाले शिपमेंट के साथ विकास जारी है। बीवाईडी और लावा स्मार्टफोन शिपमेंट के मामले में सबसे तेजी से बढ़ने वाले निर्माता थे। सरकार के फोकस पर, शोध विश्लेषक प्रिया जोसेफ ने कहा कि नियामक मोर्चे पर प्रतिकूल वैश्विक माहौल के

बावजूद, भारतीय स्मार्टफोन बाजार लचीला बना हुआ है। जोसेफ ने कहा, पीएलआई योजनाओं के रूप में निरंतर नीतिगत हस्तक्षेप के साथ आपूर्ति श्रृंखला में बदलाव लाने और भारत को एक विनिर्माण केंद्र बनाने के सरकार के प्रयासों ने देश को मूल्य श्रृंखला में प्रमुख वैश्विक खिलाड़ियों को आकर्षित करने में मदद की है। इसके अलावा, सरकार सक्रिय रूप से निकट भविष्य में स्थानीय मूल्यवर्धन को वर्तमान 17-18 प्रतिशत से बढ़ाकर 25 प्रतिशत करने के लक्ष्य का पीछा कर रही है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अन्य देशों को निर्यात करने के लिए मूल उपकरण निर्माताओं (ओईएम) के बढ़ते फोकस के साथ आगे जाकर निर्माण की मात्रा बढ़ेगी।

टेलीकॉम कंपनियां रेलवे की जमीन पर लगा सकती हैं टावर

मुंबई।

मोदी सरकार ने दूरसंचार कंपनियों को बड़ी राहत देकर रेलवे को सेवाएं प्रदान करने का रास्ता साफ कर दिया है। मिली जानकारी के अनुसार रेल मंत्रालय ने निजी कंपनियों के लिए अपनी दूरसंचार सेवाओं का दरवाजा खोलकर उन्हें रेलवे की जमीन पर दूरसंचार टावर स्थापित करने की भी अनुमति दे दी है। अब तक यह अधिकार रेलवे की दूरसंचार इकाई- रेलटेल कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया के पास ही था। केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा निजी निवेश को आकर्षित करने के लिए रेलवे भूमि के लाइसेंस शुल्क (एलएलएफ) मानदंडों में ढील देने के कुछ माह बाद यह पहल की गई है। नई एलएलएफ नीति के अनुसार मोबाइल टावरों के लिए 7 फीसदी राजस्व हिस्सेदारी की मौजूदा दरें खत्म कर दी गई हैं। इसके बजाय अब भूमि के बाजार मूल्य का 1.5 फीसदी वार्षिक भूमि उपयोग शुल्क लागू किया जाएगा। यह पहल देश में 5जी सेवाओं को बढ़ावा देने के लिए की गई है। रेलवे के क्षेत्रीय कार्यालयों को निर्देश दिया गया है कि अनुमति देते समय रेलवे की भविष्य की नेटवर्क जरूरतों पर प्रमुखता से गौर किया जाए। मामले से जुड़े रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों ने कहा कि इस पहल से रेलवे में बड़ी निजी भागीदारी का मार्ग प्रशस्त हुआ है। उन्होंने कहा अभी तक हमारी दूरसंचार जरूरतें केवल

रेलटेल के लिए खुली थीं। अब हमारी निविदाएं उन निजी कंपनियों के लिए भी खुलेंगी जो दूरसंचार टावर स्थापित करती हैं। चूंकि वे उन टावरों का उपयोग वाणिज्यिक तौर पर भी करेंगी इसलिए रेलवे प्रतिस्पर्धी मूल्य निर्धारण प्रक्रिया के तहत उस बुनियादी ढांचे का इस्तेमाल करेगा।'

वैश्विक आर्थिक वृद्धि दर अगले साल काफी कमजोर रहेगी: चंद्रशेखरन

नई दिल्ली । टाटा संस के चेयरमैन नटराजन चंद्रशेखरन ने कहा है कि भारत अगले साल तेजी से आर्थिक वृद्धि हासिल करने वाली बड़ी अर्थव्यवस्था बने रहने के लिए बेहतर स्थिति में है। उन्होंने कहा कि वैश्विक आर्थिक वृद्धि दर अगले साल काफी कमजोर रहेगी। महामारी और वैश्विक वित्तीय संकट के अलावा अगला साल आर्थिक दृष्टि से इस सदी की शुरूआत से अब तक का तीसरा सबसे खराब साल हो सकता है। चंद्रशेखरन ने टाटा समूह के कर्मचारियों को नये साल के संदेश में यह बाते कहीं। चंदशेखरन ने कहा` कि खपत में वृद्धि उपभोक्ताओं का भरोसा बढ़ने और निवेश में तेजी से भारत की वृद्धि को समर्थन मिलेगा। हालांकि वैश्विक परिवेश के स्तर पर कई जोखिम है। इसमें यूरोप में ऊर्जा संकट मंदी को रोकने के लिए महंगाई को काबू में लाने का संघर्ष तथा वैश्विक स्तर पर जारी तनाव शामिल हैं। उन्होंने अपने संदेश में लिखा है` कि महामारी के बाद भारत में चीजें बेहतर हुई हैं और पिछले एक साल में हमारा दैनिक जीवन सामान्य रास्ते पर लौट आया है। हमारी कई कंपनियों के लिए कारोबारी गति मजबूत बनी हुई है। अगले साल महंगाई के धीरे-धीरे नरम पड़ने की उम्मीद है। भारत बेहतर स्थिति में है और खपत और निवेश में तेजी तथा ग्राहकों के बीच भरोसा बढ़ने से तीव्र आर्थिक वृद्धि हासिल करने वाली बड़ी अर्थव्यवस्था बना रहेगा। हालांकि मंद पड़ती वैश्विक आर्थिक वृद्धि का दबाव उत्पादन पर पड़ सकता है लेकिन वैश्विक विनिर्माण में हमारी बढ़ती हिस्सेदारी कुछ राहत प्रदान कर सकती है।

डेटा संरक्षण विधेयक के तहत सरकार को उल्लेखनीय नियंत्रण से निवेश पर पड़ेगा असर: आईटीआई

नई दिल्ली ।

प्रस्तावित डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण विधेयक-2022 के तहत सरकार को महत्वपूर्ण नियंत्रण और छूट से कंपनियों के लिए भारत में डेटा केंद्रों और डेटा प्रसंस्करण गतिविधियों में निवेश करने में मु श्किल का सामना करना पड़ सकता है। वैश्विक प्रौद्योगिकी उद्योग के निकाय आईटीआई ने यह आशंका जताई है। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण (डीपीडीपी) विधेयक-2022 का मसौदा तैयार किया है और दो जनवरी तक इस पर टिप्पणियां आमंत्रित की हैं। आईटीआई ने कहा है कि यह विधेयक भारत सरकार की कार्यकारी शाखा को महत्वपूर्ण नियंत्रण प्रदान करता है। इसमें सरकार के लिए कई तरह की छूट हैं जो कंपनियों के लिए भारत में डेटा केंद्रों और डेटा प्रसंस्करण गतिविधियों में निवेश को कठिन बना सकती हैं। आईटीआई वैश्विक प्रौद्योगिकी कंपनियों गूगल माइक्रोसॉफ्ट मेटा ट्विटर और एप्पल का प्रतिनिधित्व करती है। डीपीडीपी के मसौदे में सरकार द्वारा अधिसूचित डेटा न्यासियों को कई अनुपालन बोझ से छूट दी गई है। इनमें डेटा संग्रह के उद्देश्य के बारे में किसी व्यक्ति को सूचित करने से संबंधित प्रावधान बच्चों के डेटा का संग्रह सार्वजनिक व्यवस्था के आसपास जोखिम मूल्यांकन डेटा ऑडिटर की नियुक्ति आदि शामिल है। हालांकि इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी राज्यमंत्री राजीव चंद्रशेखर का कहना है कि सरकार के लिए छूट

केवल सार्वजनिक व्यवस्था को बनाए रखना आपात स्थिति महामारी और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मुद्दों जैसी विशेष परिस्थितियों में ही होगी। हालांकि उद्योग निकाय ने डेटा को देश के बाहर भंडारित करने की अनुमति जैसे मुद्दों पर विधेयक का समर्थन किया है।

जेट एयरवेज के दो वरिष्ठ अधिकारियों पायलट चालक दल के सदस्यों ने दिया इस्तीफा

मुंबई ।

जेट एयरवेज के भविष्य को लेकर अनिश्चितता के माहौल के बीच एयरलाइन के दो वरिष्ठ अधिकारियों कुछ पायलट एवं चालक दल के सदस्यों ने अपना इस्तीफा कंपनी को सौंप दिया है।सूत्रों ने कहा कि एयरलाइन के इंजीनियरिंग एवं मानव संसाधन विभाग के उपाध्यक्षों ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। इनके अलावा कुछ पायलट और चालक दल के कुछ सदस्यों ने भी जेट एयरवेज का साथ छोड़ दिया है। फिलहाल परिचालन के ठप होने की स्थिति से गुजर रही एयरलाइन के मौजूदा कर्मचारियों की संख्या के बारे में तात्कालिक तौर पर पता नहीं की जा सकी। जालान-कालरॉक गठजोड़ जून 2021 में जेट एयरवेज के लिए दिवालिया समाधान प्रक्रिया में विजेता बोलीकर्ता बनकर उभरा था। इसके बाद एयरलाइन को नए सिरे से खड़ा करने के लिए तमाम दावे किए गए लेकिन अभी तक यह दोबारा परिचालन शुरू नहीं कर पाई है। एयरलाइन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि सभी हितधारकों एवं ग्राहकों के लिए

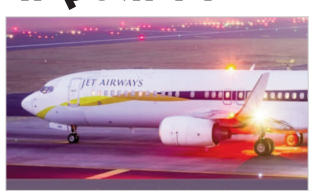

पुनर्जीवित जेट एयरवेज में व्यापक संभावनाएं हैं। हालांकि एयरलाइन के प्रवक्ता ने इस प्रकरण पर कोई टिप्पणी करने से मना कर दिया।

जेनरिक दवाओं का इस्तेमाल कर काफी पैसों की बचत कर सकते : अग्रवाल

अहमदाबाद ।

एक रिपोर्ट के अनुसार मौसम में आए बदलाव दिन और रात के तापमान के बीच में भारी अंतर और अधिकांश शहरी इलाकों में धुंध और कोहरे के प्रभाव के कारण सांस की बीमारियों की समस्याएं काफी बढ़ी हैं। जेनरिक दवाओं के प्रमुख मेडकार्ट का अनुमान है कि इस स्थिति में सांस की बीमारियों के मरीज जेनेरिक दवाओं का इस्तेमाल कर अपने मेडिकल बिल पर 83 प्रतिशत तक की बचत कर सकते हैं।

मेडकार्ट के को-फाउंडर अंकुर अग्रवाल ने कहा कि सांस की बीमारियों के इलाज के लिए आमतौर पर इस्तेमाल की जाने वाली दवाओं में बुडेसोनाइडफोरमोटरोल और एसिबोफिलिन शामिल हैं चूंकि बदलते मौसम के कारण सांस संबंधी बीमारियों के मामले बढ़े हैं इसके बाद जेनेरिक दवाओं को अपनाना मेडिकल बिलों को कम करने का अच्छा तरीका है। यदि पेशेंट अपने ब्रांडेड दवाओं के बजाय उन मॉलिक्यूल्स के जेनरिक दवाओं का इस्तेमाल करे तो वे अपने मेडिकल बिलों में 50 प्रतिशत से 83 प्रतिशत के बीच की बचत आसानी से कर पाएंगे।

श्री अग्रवाल ने कहा कि मेडकार्ट में मानते हैं कि स्वास्थ्य देखभाल के खर्चे में बेहिसाब वृद्धि होने से औसत भारतीय परिवारों की आर्थिक स्थिति प्रभावित होगी इसलिए हमें अपने स्वास्थ्य सेवाओं को प्रदान करने के तरीके में बदलाव करने की जरूरत है।

एफएमसीजी उद्योग को अगले साल मात्रा और मार्जिन में बढ़ोतरी की उम्मीद

नई दिल्ली ।

एफएमसीजी कंपनियां उम्मीद कर रही हैं कि 2023 का साल उनके लिए कुछ बेहतर साबित होगा और वे मार्जिन के साथ-साथ मात्रा के मोर्चे पर भी बढ़ोतरी दर्ज करेंगी। विशेष रूप से इन कंपनियों को जिंस कीमतों में कमी के बीच ग्रामीण क्षेत्र की मांग में सुधार की उम्मीद है। एफएमसीजी कंपनियां सतर्क के साथ आशान्वित भी हैं। उन्हें उम्मीद है कि ग्रामीण बाजार एक बार फिर सुधार की राह पर आएगा। उनकी कुल बिक्री में एक-तिहाई हिस्सा ग्रामीण बाजार का है। अच्छी फसल सरकारी प्रोत्साहन और कृषि आय में सुधार से ग्रामीण बाजार की स्थिति में सुधार की उम्मीद है। एफएमसीजी क्षेत्र की मांग जिस समय सुधर रही थी तो यूक्रेन युद्ध ने जिंस कीमतों के दाम चढ़ा दिए। कच्चे माल की ऊंची लागत से निपटने के लिए कई एफएमसीजी कंपनियों ने कीमत में बदलाव नहीं किया लेकिन उन्होंने अपने उत्पादों के पैकेट और वजन को घटा दिया। इसे 'श्रिंकफ्लेशन कहा जाता है। यानी कि उपभोक्ताओं को कम उत्पाद के लिए समान या पुरानी कीमत का भुगतान करना पड़ रहा है। कोविड संक्रमण कम होने और अर्थव्यवस्था के खुलने के साथ 2022 की अंतिम तिमाही में मांग में सुधार होना शुरू हुआ। एफएमसीजी कंपनियां जो महामारी के कारण पिछले दो साल के दौरान गंभीर रूप से प्रभावित हुई थीं। उम्मीद कर रही हैं कि 2023 में चीजें बेहतर होंगी। डाबर इंडिया के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) मोहित मल्होत्रा ने कहा कि हम वर्ष 2023 को लेकर आशान्वित हैं और हमें ग्रामीण मांग में सुधार की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि उभरते माध्यमों मसलन आधुनिक व्यापार और ई-कॉमर्स के जरिए शहरी मांग में वृद्धि जारी रहेगी। उद्योग में 2022 में कीमत वृद्धि दो अंक यानी 10 प्रतिशत से अधिक रही है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि एफएमसीजी उद्योग में पिछले तीन माह की तुलना में सितंबर तिमाही में मात्रा के लिहाज से 0.9 प्रतिशत की गिरावट रही।

अच्छे प्रदर्शन के बाद भी नहीं बिकने से निराश हैं संदीप

मुम्बई । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 16 वें सत्र के लिए कोच्ची में हुई नीलामी में जहां देश और विदेश के कई अनजान से क्रिकेटरों को भी करोड़ों की रकम मिली है। वहीं कुछ खिलाड़ी बेहतर प्रदर्शन के बाद भी नहीं बिके हैं। इन्हीं में से एक तेज गेंदबाज संदीप शर्मा को भी किसी भी टीम ने नहीं खरीदा है। जिससे ये खिलाड़ी हैरान होने के साथ ही निराश भी हैं। संदीप ने कहा कि वह अपने को बिना बिके हुए देखकर हैरान और निराश हैं। संदीप ने कहा मैं हैरान और निराश हूं। मुझे नहीं पता कि मैं बिना बिके कैसे रह गया। मैंने जिस भी टीम के लिए खेला अच्छा प्रदर्शन किया और सोचा था कि कोई टीम मेरे लिए बोली लगाएगी। सच कहूं तो मुझे इसकी उम्मीद नहीं थी। मुझसे गलती कहां हुई है मुझे यह भी नहीं पता। घरेलू क्रिकेट में मैं अच्छा प्रदर्शन कर रहा हूं। रणजी ट्रॉफी में आखिरी राउंड में मैंने सात विकेट लिए। इसके साथ ही मैंने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में भी बहुत अच्छा प्रदर्शन किया। संदीप का नाम आईपीएल में लगातार विकेट लेने वाले गेंदबाजों के नाम पर है। पावरप्ले में उन्होंने जिस भी फ्रेंचाइजी के लिए खेला हो विकेट लिया है। उनके नाम प्रति पारी 1.09 विकेट हैं इसके इसके बाद भी आईपीएल 2023 की नीलामी में उन्हें कोई खरीदार नहीं मिला था। उन्होंने कहामैंने हमेशा अपनी गेंदबाजी में निरंतरता बनाए रखने का प्रयास किया है और यही मेरे हाथ में है।

वार्नर के दोहरे शतक से ऑस्ट्रेलिया ने तीन विकेट पर 386 रन बनाये

मेलबर्न ।

सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर के शानदार दोहरे शतक से मेजबान ऑस्ट्रेलिया ने यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टेस्ट के दूसरे दिन अपनी पहली पारी में 3 विकेट के नुकसान पर 386 रन बना लिए थे। वहीं इससे पहले दक्षिण-अफ्रीका की टीम अपनी पहली पारी में 189 रनों पर आउट हो गयी थी। इस प्रकार ऑस्ट्रेलियाई टीम को 197 रनों की बढ़त मिल गयी है और अब उसका लक्ष्य तीसरे दिन बड़ी बढ़त हासिल करना रहेगा। दिन का खेल समाप्त होने के समय पर ट्रेविस हैड 48 और एलेक्स कैरी 9 रनों पर खेल रहे थे। वार्नर अपना दोहरा शतक 200 रन बनाने के साथ ही रिटायर्ड हर्ट होकर पेवेलियन लौट गये। वहीं एक अन्य खिलाड़ी कैमरुन ग्रीन भी 6 रनों पर ही रिटायर्ड हर्ट हुए। दूसरे दिन के खेल का आकर्षण वार्नर की बल्लेबाजी रही। वार्नर ने तीन साल के बाद शतक लगाया। वह यहीं नहीं रुके और उन्होंने आक्रामक अंदाज में खेलते हुए 254 गेंदों पर दोहरा शतक लगा दिया। इसके बाद वह जश्न मनाते हुए चोटिल हो गए आर उन्हें पेवेयियन लौटना पड़ा।

वार्नर 200 रन के मील के पत्थर तक पहुंचने से पहले ही खिंचाव से परेशान थे पर जिस प्रकार अतिउत्साह में उन्होंने इस दोहरे शतक का जश्न मनाया उससे उनकी हालत और भी खराब हो गई है। सलामी बल्लेबाज ने अपने दोहरे शतक के जश्न में जैसे ही एक ऊंची छलांग लगाई वह जमीन पर पड़ने के बाद दर्द से परेशान हो गये। वार्नर को अपनी पारी के दौरान खिंचाव के इलाज के लिए कई बार चिकित्सक मदद की जरूरत पड़ी पर वह उन्होंने दोहरा शतक बनाने तक मैदान पर जमे रहे। वार्नर ने इस पारी में अपने टेस्ट करियर में 8000 रन भी पूरे किए वह ऐसा करने वाले आठवें ऑस्ट्रेलियाई बन गए हैं। दूसरे दिन दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजों को कोई सहायता नहीं मिली और वे बेबस नजर आये।

बांग्लादेश में वनडे, टी20 सीरीज खेलेगा इंग्लैंड

लंदन,

टी20 विश्व कप और क्रिकेट विश्व कप चैंपियन इंग्लैंड ने मंगलवार को मार्च 2023 में अपनी टीम के बांग्लादेश दौरे के कार्यक्रम की घोषणा की। मेहमान टीम 2016 के बाद पहली बार बांग्लादेश के ढाका और चटगांव में अंतरराष्ट्रीय मैच खेलेगी। पिछली बार जब इंग्लैंड ने एशियाई देश की यात्रा की थी, तो वे वनडे सीरीज में 2-1 से विजयी हुए थे। टी20 सीरीज दोनों टीमों के बीच पहली द्विपक्षीय सीरीज होगी। इससे पहले, आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2021 में इंग्लैंड और बांग्लादेश केवल एक बार आमने-सामने आए थे। दौरे की शुरूआत तीन वनडे मैचों से होगी, पहले दो मैच शेर-ए-बांग्ला राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम (एसबीएनसीएस), ढाका में एक और तीन मार्च को होंगे। श्रृंखला का अंतिम मैच छह मार्च को जहूर अहमद चौधरी स्टेडियम चटगांव में होगा। तीन मैचों की टी20 सीरीज नौ मार्च से चटगांव के जेडएसीएस में होगी। अंतिम दो मैच 12 और 14 मार्च को

एसबीएनसीएस, ढाका में होने हैं। दौरे की शुरूआत से पहले इंग्लैंड दो अभ्यास मैच खेलेगा, जिसके कार्यक्रम की घोषणा बाद में की जाएगी। ईसीबी की अंतरिम मुख्य कार्यकारी अधिकारी क्लेयर कोनोर ने कहा, यह रोमांचक है कि इंग्लैंड की सफेद गेंद वाली टीम 2016 के बाद पहली बार बांग्लादेश जाएगी। इस दौरे के लिए ढाका और चटगांव में माहौल शानदार होगा। दौरे की शुरूआत से पहले इंग्लैंड दो अभ्यास मैच खेलेगा, जिसके कार्यक्रम की घोषणा बाद में की जाएगी।

आर्सेनल शीर्ष पर पहुंची वेस्ट हैम को 3-1 से हराया

हैरी के गोल से टोटेनहैम बराबरी पर पहुंचा

लंदन। आर्सेनल ने इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) फुटबॉल में वेस्ट हैम को 3-1 से हराकर शीर्ष स्थान पर अपनी पकड़ और बेहतर बनायी है। वहीं एक अन्य मैच में न्यू कास्टल की टीम लीस्टर को 3-0 से हराकर दूसरे स्थान पर रही। वह आर्सेनल से सात अंक पीछे है।आर्सेनल के 15 मैचों में 40 जबकि न्यू कास्टल के 16 मैचों में 33 अंक हैं। एक अन्य टीम मैनचेस्टर सिटी तीसरे स्थान पर फिसल गयी है। वेस्ट हैम की ओर से सैद बैनरहम के 27वें मिनट में पेनल्टी किक पर गोल कर अपनी टीम को 1-0 से आगे कर दिया पर इसके बाद ने शानदार वापसी करते हुए तीन गोल दाग दिये। आर्सेनल की ओर से दूसरे हाफ में बुकायो साका गेब्रियल मार्टिनेली और एडी एनकेतिया ने गोल किये। वहीं एक अन्य मैच में हैरी केन के गोल से चौथे स्थान पर कायम टोटेनहैम ने दो गोल से पीछे होने के बाद भी अच्छी वापसी करते हुए ब्रैंटफोर्ड के खिलाफ मैच 2-2 से बराबरी पर ला दिया।

बीडब्ल्यूएफ रैंकिंग: एचएस प्रणय ने चार साल बाद करियर के सर्वश्रेष्ठ आठवें स्थान पर पहुंचे

नई दिल्ली,

शीर्ष भारतीय शटलर एचएस प्रणय ने लगभग चार साल के बाद मंगलवार को जारी ताजा पुरुष एकल बीडब्ल्यूएफ विश्व रैंकिंग में करियर के सर्वश्रेष्ठ आठवें स्थान पर पहुंचने के लिए एक पायदान की छलांग लगाई। 15 जनवरी, 2018 को जारी रैंकिंग में प्रणय थोड़े समय के लिए विश्व नंबर 8 रहे थे। उन्होंने हाल ही में पिछले सप्ताह की रैंकिंग में नौवां स्थान प्राप्त करने के बाद शीर्ष 10 में प्रवेश किया था। 30 वर्षीय प्रणय 2022 में अच्छे फॉर्म में रहे हैं। उन्होंने इस साल की शुरूआत में भारत की पहली बार थॉमस कप जीत में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, क्वार्टर फाइनल में मलेशिया और सेमीफाइनल में डेनमार्क के खिलाफ निर्णायक मुकाबले में महत्वपूर्ण जीत दर्ज की। बर्मिंघम में राष्ट्रमंडल खेल 2022 मिश्रित टीम स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय बैडमिंटन टीम का हिस्सा होने के अलावा, प्रणय व्यक्तिगत स्पर्धाओं में भी शानदार फॉर्म में रहे हैं। इस भारतीय ने 2022 में सात क्वार्टर फाइनल, दो सेमीफाइनल और स्विस ओपन फाइनल में जगह बनाई। प्रणय की जीत में कुछ बड़ी उलटफेर वाली जीतें शामिल थीं, जिनमें से दो मौजूदा ओलंपिक चैंपियन और दुनिया के नंबर 1 विक्टर एक्सेलसन के खिलाफ थीं। हालांकि, वह एकल रैंकिंग में दूसरे सर्वश्रेष्ठ भारतीय पुरुष खिलाड़ी बने रहे, क्योंकि लक्ष्य सेन अपने विश्व नंबर 7 स्थान पर बने हुए हैं। पूर्व विश्व नंबर 1 किदांबी श्रीकांत नई रैंकिंग में 12वें स्थान पर हैं। महिला एकल में, दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु एक स्थान गंवाकर सातवें स्थान पर खिसक गई हैं जबकि साइना नेहवाल दो पायदान चढ़कर 31वें स्थान पर पहुंच गई हैं और वर्तमान में जूनियर हमवतन मालविका बंसोड़ (वर्ल्ड नंबर 30) और आकर्षि कश्यप (वर्ल्ड नंबर 32) के बीच हैं। इस बीच, चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी की भारत की शीर्ष पुरुष युगल जोड़ी तालिका में पांचवें स्थान पर बनी हुई है, जो करियर का सर्वश्रेष्ठ अंक है, जबकि एमआर अर्जुन और ध्रुव

कपिला तीन पायदान की बढ़त के साथ 21वें स्थान पर पहुंच गए हैं। महिला युगल में, राष्ट्रमंडल खेलों की कांस्य पदक विजेता गायत्री गोपीचंद और तृषा जॉली एक स्थान की बढ़त के साथ विश्व में 17वें स्थान पर पहुंच गई हैं। उनके वरिष्ठ साथी अश्विनी पोनप्पा और एन सिक्की रेड्डी चार पायदान नीचे खिसक कर 28वें स्थान पर हैं। इस बीच, चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी की भारत की शीर्ष पुरुष युगल जोड़ी तालिका में पांचवें स्थान पर बनी हुई है, जो करियर का सर्वश्रेष्ठ अंक है, जबकि एमआर अर्जुन और ध्रुव कपिला तीन पायदान की बढ़त के साथ 21वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

संक्षिप्त समाचार

अनुभवी बृजेश दमानी ने अपना पहला राष्ट्रीय बिलियर्डस खिताब जीता

पेट्रोलियम स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड (पीएसपीबी) का प्रतिनिधित्व करने वाले अनुभवी बृजेश दमानी ने यहां आयोजित सीनियर नेशनल बिलियर्डस चैंपियनशिप 2022-23 में अपना पहला राष्ट्रीय खिताब जीतकर इतिहास रच दिया। सोमवार शाम को खेले गए फाइनल में, दमानी ने अपने साथी पीएसपीबी खिलाड़ी ध्रुव सितवाला के खिलाफ फाइनल खेला, जो वर्तमान में एशिया नंबर 2 हैं। उन्होंने साल के आखिरी बिलियर्डस इवेंट में प्रतिष्ठित राष्ट्रीय खिताब हासिल करने के लिए 5-3 से जीत दर्ज की। मैच चार गेम (2-2) तक बराबर था, जब दमानी ने तेजी दिखाई और अगले दो फ्रेम जीतकर 4-2 से बढ़त बना ली। हालांकि, सितवाला ने अगला गेम अपने नाम कर लिया, लेकिन दमानी ने 8वें गेम में दबदबा बनाने के लिए टेबल के चारों ओर बेहतर खेल दिखाया और 5-3 से खिताब जीता। फाइनल में पहुंचने के लिए, दमानी ने सेमीफाइनल में 2019 के नेशनल बिलियर्डस चैंपियन एस श्रीकृष्ण को हराया, जो मौजूदा वर्ल्ड 6 रेड चैंपियन भी हैं। वह कर्नाटक के बी भास्कर को 4-1 से हराकर अंतिम चार में पहुंचे थे। मैच चार गेम (2-2) तक बराबर था, जब दमानी ने तेजी दिखाई और अगले दो फ्रेम जीतकर 4-2 से बढ़त बना ली। हालांकि, सितवाला ने अगला गेम अपने नाम कर लिया, लेकिन दमानी ने 8वें गेम में दबदबा बनाने के लिए टेबल के चारों ओर बेहतर खेल दिखाया और 5-3 से खिताब जीता।

अर्जेंटीना कोच स्कालोनी को नए अनुबंध की पेशकश करेगा

अर्जेंटीना फुटबॉल के प्रमुख क्लाउडियो तापिया ने कहा है कि उन्हें विश्वास है कि लियोनेल स्कालोनी राष्ट्रीय टीम के मैनेजर बने रहेंगे। स्कालोनी के मार्गदर्शन में अर्जेंटीना ने कतर में आयोजित विश्व कप जीता था। स्कालोनी का अनुबंध 31 दिसंबर को समाप्त हो रहा है लेकिन अर्जेंटीना फुटबॉल संघ 44 वर्षीय स्कालोनी को चार साल के लिए और चाहता है। तापिया ने सोमवार को संवाददाताओं से कहा, मुझे पूरा यकीन है कि वह अर्जेंटीना टीम के प्रमुख कोच बने रहेंगे। वह इस समय यात्रा कर रहे हैं लेकिन जैसे ही वह वापस आते हैं हम इस पर अपनी मोहर लगा देंगे। स्कालोनी ने 2018 के विश्व कप के बाद जॉर्ज संपोली को बर्खास्त किये जाने पर अंतरिम आधार पर पदभार संभाला था। उन्होंने पिछले 18 महीनों में अर्जेंटीना को कोपा अमेरिका और विश्व कप के खिताब दिलाये। स्कालोनी ने विश्व कप के बाद अपनी योजनाओं का खुलासा नहीं किया है। हालांकि उन्होंने टीम के करिश्माई कप्तान लियोनेल मैसी से राष्ट्रीय टीम से इस्तीफा देने के बारे में अपने फैसले पर पुनर्विचार करने के लिए पूछा था। 35 वर्षीय मैसी ने संकेत दिया था कि वह 2024 में अगले कोपा अमेरिका तक खेलना जारी रखना चाहते हैं। स्कालोनी ने 2018 के विश्व कप के बाद जॉर्ज संपोली को बर्खास्त किये जाने पर अंतरिम आधार पर पदभार संभाला था। उन्होंने पिछले 18 महीनों में अर्जेंटीना को कोपा अमेरिका और विश्व कप के खिताब दिलाये।

भारतीय हॉकी टीम विश्व कप के लिए ओडिशा पहुंची

भुवनेश्वर

एफआईएच ओडिशा हॉकी विश्व कप 2023 से पहले भारतीय हॉकी टीम मंगलवार सुबह बीजू पटनायक अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंची। कप्तान हरमनप्रीत सिंह की अगुआई वाली टीम का यहां जोरदार स्वागत किया गया। टीम राउरकेला के लिए रवाना होगी, जहां वह 13 से 29 जनवरी तक भुवनेश्वर और राउरकेला में होने वाले विश्व कप के लिए अभ्यास करेगी। भारतीय टीम अपने अभियान की शुरूआत 13 जनवरी को राउरकेला के बिरसा मुंडा अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में स्पेन के खिलाफ मैच से करेगी। यहां पहुंचने पर मीडियाकर्मियों से बात करते हुए कप्तान हरमनप्रीत ने कहा, हमने मैच की शुरूआत में गोल करने के लिए अपनी रणनीति

को जारी रखने का फैसला किया है। हमें नहीं पता कि भारत में फिर से विश्व कप कब आयोजित किया जाएगा, इसलिए हमारा लक्ष्य इस विश्व कप में अपना सर्वश्रेष्ठ देना है।

भारतीय हॉकी टीम के उपकप्तान अमित रोहिदास ने कहा कि वह बहुत खुश हैं क्योंकि उनका गृह राज्य ओडिशा लगातार दूसरी बार हॉकी वर्ल्ड कप की मेजबानी कर रहा है। उन्होंने कहा कि टीम विश्व कप के लिए बेंगलुरु में अभ्यास कर रही थी और अब राउरकेला के बिरसा मुंडा स्टेडियम में नए टर्फ पर अभ्यास करेगी।

रोहिदास ने कहा, हम राउरकेला में स्पेन और इंग्लैंड के साथ आगामी मैचों में निश्चित रूप से बहुत अच्छा प्रदर्शन करेंगे। हमने इस विश्व कप में कदम दर कदम आगे बढ़ने का फैसला किया है। हमारा प्राथमिक लक्ष्य क्वार्टर फाइनल में पहुंचना है। फिर, हम अपने भविष्य की रणनीति तय करेंगे। उन्होंने कहा कि टीम विश्व कप के लिए बेंगलुरु में अभ्यास कर रही थी और अब राउरकेला के बिरसा मुंडा स्टेडियम में नए टर्फ पर अभ्यास करेगी।

दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेटर बेहरदीन ने संन्यास लिया

केपटाउन । दक्षिण अफ्रीका की टी20 टीम के पूर्व कप्तान फरहान बेहरदीन ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। बेहरदीन ने सोशल मीडिया खेल को अलविदा कहने की घोषणा की। इस क्रिकेटर ने दक्षिण-अफ्रीका की ओर से 59 एकदिवसीय और 38 टी20 मैच खेले हैं और साल 2017 में श्रीलंका के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज में दक्षिण-अफ्रीकी टीम की कप्तानी भी की थी। उन्होंने अपने संन्यास की घोषणा सोशल मीडिया पर की है। बेहरदीन ने कहा कि पेशेवर क्रिकेट को छोड़ने का फैसला कठिन था और पिछले कुछ सप्ताह उनके लिए विशेष रूप से कठिन थे। सोशल मीडिया पर बेहरदीन ने लिखा18 साल आए और चले गए। सभी प्रारूपों में 560 प्रो खेल मेरे देश के लिए 97 कैप कैबिनेट में 17 ट्रॉफी और 4 विश्व कप खेलने का मुझे सौभाग्य प्राप्त हुआ मेरे परिवार और दोस्तों का आभार जिन्होंने मेरा समर्थन किया। वह 2012 2014 और 2016 में दक्षिण अफ्रीका के टी20 विश्व कप अभियान के साथ-साथ 2015 में एकदिवसीय विश्व कप का हिस्सा थे। बेहरदीन ने एकदिवसीय क्रिकेट में 1074 रन और टी20 में 518 रन बनाये हैं। उसका घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन रहा था।

महिला टी20 रैंकिंगः ऑस्ट्रेलिया की एश्ले गार्डनर नंबर 1 ऑलराउंडर बनीं

दुबई। भारत के खिलाफ पांच मैचों की श्रृंखला के अंतिम टी20 मैच में अपने मैच विजयी प्रदर्शन के बाद, आस्ट्रेलिया की एश्ले गार्डनर मंगलवार को जारी ताजा आईसीसी महिला टी20 रैंकिंग में नंबर 1 आलराउंडर बन गईं। गार्डनर ने 32 गेंदों में नाबाद 66 रन बनाए और 20 रन देकर दो विकेट लेने के प्रयास के बाद प्लेयर आफ द मैच चुनी गयीं। उनके पास 417 अंक हैं और तीन स्थानों की छलांग लगाने के बाद पहली बार आलराउंडरों की सूची में शीर्ष पर पहुंची हैं। उन्होंने वेस्टइंडीज की कप्तान हैली मैथ्यूज (381), भारत की दीप्ति शर्मा (387) और न्यूजीलैंड की कप्तान सोफी डिवाइन (389) को पीछे छोड़ दिया है, जो पिछले एक साल से शीर्ष पर थीं। दूसरी ओर, ताहलिया मैक्ग्रा दो पायदान ऊपर चढ़कर 10वें (248) स्थान पर पहुंचकर स्टैफनी टेलर (235) और हमवतन एलिस पेरी (231) से आगे निकल गईं। भारत के खिलाफ हाल की टी20 श्रृंखला में रन बनाते हुए गार्डनर भी सूजी बेट्स (641) और एलिसा हीली (631) की बल्लेबाजी रैंकिंग (649) में दो स्थान की छलांग लगाकर सातवें स्थान पर काबिज हो गयीं। आस्ट्रेलिया की मैक्ग्रा (814) और बेथ मूनी (760) शीर्ष दो स्थानों पर काबिज हैं, भारत की स्मृति मंधाना तीसरे (727) स्थान पर हैं। चमारी अथापथु (612) ने शीर्ष दस में फिर से प्रवेश किया, जिसमें जेमिमाह रोड्रिग्स को दो स्थान (607) का नुकसान हुआ है। आस्ट्रेलिया के खिलाफ दीप्ति शर्मा की 34 गेंदों में 53 रन की पारी ने रैंकिंग में तीन पायदान ऊपर उठकर 29वें स्थान पर पहुंचने में मदद की, जबकि इंग्लैंड की नट साइवर और भारत की ऋचा घोष एक-एक पायदान की बढ़त के साथ क्रमशः 15वें और 39वें स्थान पर पहुंच गई हैं। बल्लेबाजी रैंकिंग में कई छोटे फेरबदल हुए हैं, सबसे बड़ी बढ़त ग्रेस हैरिस की थी, जिन्होंने आस्ट्रेलिया के भारत दौरे पर शानदार प्रदर्शन किया। हार्ड-हिटर 33 स्थानों की छलांग लगाकर 61वें (398) और भारत की हरलीन देओल (206) 26 स्थानों की छलांग लगाकर शीर्ष 100 में शामिल हो गयीं।

संतोष ट्रॉफी में महिप अधिकारी की हैट्रिक ने दिलाई दिल्ली को जीत

नयी दिल्ली,

महिप अधिकारी की शानदार हैट्रिक की मदद से दिल्ली ने गुजरात को 4-0 से करारी शिकस्त देकर हीरो संतोष ट्रॉफी के लिए खेली जा रही 76वीं नेशनल सीनियर पुरुष फुटबॉल चैम्पियनशिप के ग्रुप-1 में लगातार दूसरी जीत दर्ज की। डॉ. अम्बेडकर स्टेडियम में खेले गए मैच में महिप ने 59वें, 81वें और 84वें मिनट में गोल करके हैट्रिक पूरी की और वह हीरो ऑफ द मैच रहे। उधर, जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में खेले गए दिन के अन्य मैचों में कर्नाटक ने नई-नवेली लद्दाख को 3-2 से हराया जबकि उत्तराखंड ने त्रिपुरा को 1-0 से पराजित किया। मंगलवार को डॉ. अम्बेडकर स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में दिल्ली का प्रदर्शन लगातार बेहतर होता नजर आया। लगातार दो मैचों में बेंच रह गए स्थानापन्न अटैकिंग मिडफील्डर महिप अधिकारी ने मौका मिलते ही शानदार तिकड़ी जमाई। 30वें मिनट में अजय सिंह रावत ने जयदीप के पास पर गोल करके दिल्ली का खाता खोला। हाफ टाइम तक दिल्ली 1-0 से आगे थी। मध्यांतर के तुरंत बाद स्थानापन्न खिलाड़ी के रूप में महिप का मैदान पर उतरना मेजबान टीम के लिए वरदान साबित हुआ। महिप ने अपने तीनों गोल जयदीप, राघव चड्ढा और अजय सिंह रावत के पासों पर किए। अधिकांश समय मेजबान टीम का दबदबा रहा। दिल्ली की रक्षापंक्ति के खिलाड़ियों कप्तान नीरज भंडारी, करनदीप, गौरव रावत और साहिल ने मजबूत डिफेंडिंग करते हुए गुजरात के फॉरवडरें को कोई मौका नहीं दिया। इस जीत के साथ ही दिल्ली तीन मैचों में दो जीत और एक ड्रा से सात अंक लेकर ग्रुप-1 में दूसरे स्थान पर बनी हुई है। वहीं, कर्नाटक ने आज अपनी लगातार तीसरी जीत दर्ज की और वो तीन मैचों में तीन जीत से नौ अंक लेकर शीर्ष पर बरकरार है। आज जीत का स्वाद चखने के बाद उत्तराखंड

तालिका में तीसरे स्थान पर आ गई है। उत्तराखंड के तीन मैचों में एक जीत, एक ड्रा और एक हार से चार अंक हो गए हैं। वहीं, गुजरात तीन मैचों में एक जीत और दो हार से तीन अंक लेकर चौथे स्थान पर है। त्रिपुरा और लद्दाख तीन मैचों में एक-एक ड्रा से एक-एक अंक लेकर क्रमशः पांचवें व छठे स्थान पर हैं। जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में खेले गए दिन के पहले मैच में कर्नाटक को लद्दाख पर जीत के लिए थोड़ी मशक्कत करनी पड़ी। कर्नाटक ने लद्दाख को 3-2 से हराया।

क्रिकेट सलाहकार समिति की बैठक 30 दिसंबर को मुंबई में होगी

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय क्रिकेटरों अशोक मल्होत्रा, जतिन परांजपे और सुलक्षणा नाइक की क्रिकेट सलाहकार समिति (सीएसी) की बैठक 30 दिसंबर को मुंबई में होगी। अशोक ने सीएसी की बैठक को लेकर आईएएनएस के एक सवाल की पुष्टि करते हुए कहा, हां, यह है। इसके अलावा अभी यह पता नहीं चल पाया है कि बैठक का एजेंडा क्या है और सीएसी की बैठक का स्वरूप औपचारिक है या अनौपचारिक। अशोक ने सात टेस्ट और 20 वनडे मैचों में भारत का प्रतिनिधित्व किया है और हाल ही में भारतीय क्रिकेटर्स एसोसिएशन (आईसीए) के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया था। परांजपे ने भारत के लिए चार वनडे मैच खेले थे और एमएसके प्रसाद की अध्यक्षता में वरिष्ठ पुरुष चयन समिति का हिस्सा थे। सुलक्षणा ने 11 साल के करियर में भारत के लिए दो टेस्ट, 46 वनडे और 31 टी20 मैच खेले हैं। वह तीन सदस्यीय सीएसी का हिस्सा बनी हुई हैं, जहां मदन लाल और आरपी सिंह पैनल के पिछले सदस्य थे। लेकिन भारत की 1983 विश्व कप विजेता टीम के सदस्य लाल के साथ, 70 की आयु सीमा पार करने के बाद जारी रखने में अयोग्य होने और सिंह के मुंबई इंडियंस में प्रतिभा खोज के रूप में शामिल होने के कारण सीएसी में दो स्थान खाली थे। बीसीसीआई द्वारा एक दिसंबर को नियुक्त की गई पुनर्गठित सीएसी का पहला काम पांच सदस्यीय सीनियर पुरुष चयन समिति के नए सदस्यों का चयन करना होगा। 18 नवंबर को, बीसीसीआई ने चयन समिति के सभी पदों के लिए आवेदन आमंत्रित किए, जिसकी अध्यक्षता भारत के पूर्व तेज गेंदबाज चेतन शर्मा कर रहे थे। भारत के एडिलेड ओवल में इंग्लैंड से दस विकेट की हार के साथ सेमीफाइनल चरण में पुरुषों के टी20 विश्व कप से बाहर होने के ठीक एक हफ्ते बाद यह फैसला लिया गया।

सीएम भूपेन्द्र पटेल के मुख्य सलाहकार और सलाहकार के पद पर दो सेवा निवृत्त अधिकारी की नियुक्त

गांधीनगर । मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने मुख्यमंत्री कार्यालय में मुख्य सलाहकार एवं सलाहकार के दो नए पद सृजित कर राज्य के दो सेवानिवृत्त वरिष्ठ अधिकारियों को इन पदों पर नियुक्त किया है। भारत सरकार के पूर्व वित्त सचिव डॉ. हसमुख अढिया को मुख्यमंत्री के मुख्य सलाहकार जबकि राज्य सरकार के सड़क एवं भवन विभाग के पूर्व सचिव एस. एस. राठौड़ को मुख्यमंत्री के सलाहकार के रूप में नियुक्त किया गया है।

मुख्यमंत्री के मुख्य सलाहकार डॉ. हसमुख अढिया

डॉ. हसमुखअढिया भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी हैं जो भारत सरकार में केन्द्रीय वित्त सचिव और राजस्व सचिव के रूप में सेवा प्रदान कर 30 नवंबर 2018 को सेवानिवृत्त हुए। वे वर्तमान में बैंक ऑफ़ बड़ौदा के नॉन-एगज़ीक्यूटिव चेयरमैन हैं तथा गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय के चांसलर भी हैं। डॉ.अढिया पंडित दीनदयाल एनर्जी यूनिवर्सिटी तथा गुजरात एनर्जी रिसर्च एण्ड मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट (GERMI) के बोर्ड के वाइस चेयरमैन और भारतीय प्रबंधन संस्थान(इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ़ मैनेजमेंट बैंगलोर के बोर्ड ऑफ़ गवर्नर्स के सदस्य के रूप में सेवाएँ प्रदान कर रहे हैं। डॉ. हसमुख अढियाके पास अकाउंटेंसी में बेसिक पोस्ट-ग्रेजुएट डिग्रीहै। वे इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ़ मैनेजमेंट बैंगलोर से स्वर्ण पदक विजेता हैं तथा उन्होंने स्वामी विवेकानंद योग विश्वविद्यालय बैंगलोर से योग विषय में पीएचडी की है। वित्त और राजस्व सचिव के रूप मेंउन्हें भारत में त्रस्ज्ञ के सफल कार्यान्वयन का श्रेय दिया जाता है। नवंबर 2018 में उनकी सेवानिवृत्ति पर भारत के तत्कालीन वित्त मंत्री श्री अरुण जेटली ने अपनी फ़ेसबुक पोस्ट में डॉ. अढिया के योगदान की प्रशंसा की थी। उन्होंने कहा था "डॉ. हसमुख अढिया निस्संदेह रूप से अत्यंत सक्षम अनुशासित नो-नॉनसेंस प्रशासनिक सेवक तथा दोषरहित प्रामाणिकता से युक्त थे।" डॉ. हसमुख अढिया को अब मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के मुख्य सलाहकार के रूप में नियुक्त किया गया है।वे वित्त आर्थिक मामलों शिक्षा ऊर्जा और अपरंपरागत ऊर्जा निवेश से संबंधित सभी नीतियों और उनकी निगरानी और राज्य सरकार द्वारा निर्धारित अन्य क्षेत्रों में मुख्यमंत्री के मुख्य सलाहकार के रूप में सेवाएँ देंगे। उनका कार्यकाल मुख्यमंत्री के कार्यकाल या अगले आदेश इनमें से जो भी पहले हो तब तक रहेगा। मुख्यमंत्री के मुख्य सलाहकार नियुक्त किए जाने के बाद डॉ. हसमुख अढिया को राज्य सरकार द्वारा आवश्यक स्टाफ़-सुविधाएँ तथा अन्य सहायक सुविधाएँ प्रदान की जाएंगी।

मुख्यमंत्री के सलाहकार श्री एस.एस. राठौड़

सत्यनारायणसिंह शिवसिंह राठौड़ यानी एस. एस. राठौड़ गुजरात इंजीनियरिंग सेवा के एक अधिकारी हैं।उन्होंने गुजरात सरकार में सड़क एवं भवन विभाग तथा जल संसाधन विभाग में सचिव के रूप में कार्य किया तथा वे वर्ष 2014 में अतिरिक्त मुख्य सचिव के रूप में सेवानिवृत्त हुए। वर्ष 2018 में राठौड़ को अवसंरचनात्मक विकास में उनके योगदान के लिए भारत के नागरिक सम्मान 'पद्मश्री' से सम्मानित किया गया है।

सूरत जिला के कामरेज कौटिल्य विद्यालय में स्पोर्ट्स कार्निवल आयोजित हुआ

सूरत भूमि, सूरत। सूरत जिला के कामरेज कौटिल्य विद्यालय में स्पोर्ट्स कार्निवल का आयोजन हुआ। समापन समारोह में गुजरात के शिक्षण मंत्री प्रफुल पांसुरिया की विशेष उपस्थिति में विद्यार्थियों को मेडल से सम्मानित किए।समापन समारोह में उपस्थित मंत्री श्री प्रफुल्ल भाई का सम्मान स्कूल परिवार और विविध सोसाइटी के प्रमुखों ने पुष्प गुच्छ से किया।

पुनागम के शारदा विद्यामंदिर परिसर में सतरंगी संध्या का आयोजन

सूरत भूमि, सूरत। पुनागम के शारदा विद्यामंदिर परिसर में सतरंगी संध्या का आयोजन किया गया। इसमें बच्चों ने काफी उत्साह से भाग लिया। शारदा विद्यामंदिर परिसर पुनागम क्षेत्र का एकमात्र ऐसा विद्यालय है जिसमें कोरोना काल में भी वार्षिक उत्सव होता था। और अब भी पुनागम क्षेत्र में पहली सतरंगी संध्या का आयोजन किया गया। शारदा विद्यामंदिर कॉम्प्लेक्स एक ऐसा स्कूल है जिसमें बच्चे में छिपी शक्तियों को बाहर निकालने का काम शारदा विद्यामंदिर कॉम्प्लेक्स ही कर सकता है। साथ ही शारदा विद्या मंदिर परिसर की अनूठी परंपरा के अनुसार सरस्वती के चरणों में दीप प्रज्वलित किया गया। इस कार्यक्रम में विद्यालय के अति सम्मानित ट्रस्टी श्री लालजीभाई हिरानी, रमेशभाई चोडवाडिया, बाबूभाई सांवलिया सहित गुजराती माध्यम के प्राचार्य श्री बीनाबेन परमार, अंग्रेजी माध्यम के प्रधानाचार्य श्री जीतूभाई पात्रा सहित प्रमुख कार्यक्रम में अतिथि श्री पिपलिया साहिब, एसडी करेना, कल्पनाबेन कंथारिया, छायाबेन पावागढ़ी, कुलदीपभाई राजपूत, रिनाबेन राजपूत मनीषभाई मुलानी, शैलेशभाई धनानी, सुरेशभाई सुहागिया, जीतूभाई कंथारिया, कलाभाई कछड़िया, दलसुखभाई टिंबाडिया जैसे महान नेताओं ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

वहीं सतरंगी संध्या में छात्र-छात्राओं ने विभिन्न संस्कृतियों की झलक देने वाली रचनाएं प्रस्तुत कीं, जिसमें छात्रों ने अलग-अलग रचनाएं प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। सतरंगी संध्या 2022 में, माता-पिता को वास्तव में गर्व था कि यह बच्चा मेरे शारदा विद्या मंदिर परिसर का है।

इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में अभिभावक मौजूद रहे। विद्यालय में आयोजित सतरंगी संध्या के अंत में धन्यवाद समारोह गुजराती माध्यम की प्रधानाध्यापिका बीनाबेन परमार ने किया। और अंत में राष्ट्रगान गाकर कार्यक्रम संपन्न हुआ।कार्यक्रम वास्तव में बहुत ही अनूठा और आनंददायक था।

आरएसएस पर रिवाबा का जवाब सुन रविंद्र जडेजा का सीना गर्व से चौड़ा हो गया

जामनगर। रिवाबा की पहचान अब सिर्फ भारतीय क्रिकेटर रविंद्र जडेजा तक ही सीमित नहीं है बल्कि अब रिवाबा विधायक बन चुकीं हैं। हाल ही में संपन्न हुए चुनाव में जामनगर नॉर्थ सीट से उन्होंने शानदार जीत हासिल की। बीजेपी की टिकट पर उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस के बिपेंद्र सिंह जडेजा को 50 हजार 456 वोटों के बड़े अंतर से हराया। विधायक बनने के बाद एक प्रेसवार्ता में रिवाबा से पत्रकार ने राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के बारे में सवाल किया। अपनी पत्ति का जवाब सुनकर रविंद्र जडेजा का सीना गर्व से चौड़ा हो गया।

रिवाबा से सवाल किया गया आप आरएसएस के बारे में क्या जानते हैं? इसके जवाब में रिवाबा कहतीं हैं आरएसएस भारतीय जनता पार्टी का उद्गम स्थल है। आरएसएस विश्व की सबसे बड़ी स्वचलित संस्था है। राष्ट्रीयता राष्ट्रप्रेम राष्ट्रधर्म संगठन एकता त्याग बलिदान सभी को साथ लेकर चलने वाला संगठन आरएसएस है। ये सुनते ही पूरा हॉल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा।

रविंद्र जडेजा ने रिवाबा के जवाब की वायरल क्लिप ट्वीट करते हुए लिखा आरएसएस के बारे में आपका ज्ञान देखकर बहुत अच्छा लगा। एक ऐसा संगठन जो भारतीय संस्कृति और हमारे समाजिक मूल्यों को बनाए रखने के आदर्शों को बढ़ावा देता है। आपका ज्ञान और कड़ी मेहनत ही आपको अलग करती है। इस जारी रखो।

राजनीति में आने से पहले रिवाबा समाजसेवा में सक्रिय थीं। उनका चुनाव लड़ना इसलिए चर्चा में आया क्योंकि उन्हें परिवार में ही विरोध का सामना करना पड़ा था। पति रविंद्र जडेजा के अलावा घर के किसी सदस्य का साथ नहीं मिला। ससुर और ननद तब उनके खिलाफ प्रचार कर रहे थे। ननद नैना जडेजा के साथ खराब संबंधों को लेकर भी विवाद हुआ था। हालांकि रिवाबा ने सफाई देकर कहा था कि विचारधारा अलग है लेकिन परिवार नहीं।

बीएसएफ के जवान की हत्या के मामले में पुलिस ने 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया

खेडा।

जिले के वनीपुरा गांव में बीएसएफ के एक जवान की हत्या के मामले में चकलासी पुलिस ने एक महिला समेत । आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों ने मृतक की नाबालिग बेटी का वीडियो वायरल किया था। जिसे लेकर बीएसएफ का जवाब आरोपी के घर उसे समझाने गया था। तब महिला समेत । लोगों ने उस पर हमला कर दिया। जानकारी के मुताबिक बीएसएफ के जवान मेलाजी वाघेला की पोस्टिंग मेहसाणा जिले में हुई थी। जहां से उन्हें राज-स्थान में ड्यूटी जॉइन करने का आदेश मिला था। राज-स्थान में ड्यूटी जॉइन करने से पहले मेलाजी 15 दिन की छुट्टी लेकर खेडा जिले के नडियाद तहसील के गांव चले आए। जहां मेलाजी को पता चला कि उनकी नाबालिग बेटी का वीडियो वनीपुरा में रहनेवाले शैलेष नामक युवक ने किया है। जिसके बाद मेलाजी अपनी पत्नी मंजूला वाघेला और पुत्र नवदीप के साथ शैलेष को समझाने उसके घर पहुंच गए। जहां अपनी गलती स्वीकार करने के बजाए शैलेष जादव समेत उसके परिजन और साथियों ने मेलाजी समेत उनकी पत्नी और बेटे पर लाठियों व तलवारों से हमला कर दिया। हमले में मेलाजी और नवदीप गंभीर रूप से घायल हो गए। जबकि उनकी पत्नी मंजूला को छोटी-मोटी चोटें आईं। तीनों को नडियाद के सिविल अस्पताल पहुंचाया गया। जहां डॉक्टरों ने मेलाजी वाघेला को मृत घोषित कर दिया। जबकि

गंभीर हालत में नवदीप को अहमदाबाद के सिविल अस्पताल भेज दिया जहां उसका उपचार चल रहा है। पूरे मामले में चकलासी पुलिस ने मेलाजी उनकी पत्नी व बेटे पर हमला करने वाले दिनेश जादव अरविंद जादव भावेश जादव चतुर जादव सचिन जादव कैलाश जादव और शांता जादव समेत । आरोपियों को गिरफ्तार कर आगे की कार्यवाही शुरू की है।

सूरत भूमि, सूरत। मातृभूमि विद्यालय में 24 दिसंबर दिन शनिवार को क्रिसमस ना मनाते हुए बाल भवन एवं कक्षा 1 से 4 तक के विद्यार्थियों को अपनी संस्कृति का महत्व समझाने के लिए उससे परिचित करवाने के लिए "हमारी संस्कृति हमारे संस्कार" विषय पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें बाल भवन और कक्षा 1 से 4 तक के बच्चे भगवान,संत या ऋषि मुनि बनकर आए और बच्चों ने उस विषय पर भाषण भी दिया। अंत में गुजराती माध्यम के आचार्य मनोज सर ने संस्कृति का महत्व समझाया और बच्चों को बधाई दी।

गुजरातभर के अस्पतालों में आज हुई मोकड्रील परखी गई बेड-वेंटीलेटर समेत स्वास्थ्य सुविधाएं

अहमदाबाद। चीन समेत दुनिया के कई देशों में कोरोना ने कहर बरपा रखा है। जिसे लेकर भारत सरकार समेत राज्य सरकारें भी सतर्क हो गई हैं। मंगलवार को देशभर में मोकड्रील आयोजन कर स्वास्थ्य सुविधाओं की तैयारियों की जायजा लिया गया। गुजरातभर के अस्पतालों में भी आज मोकड्रील हुई। जिसमें कोरोना की संभावित स्थिति से निपटने की तैयारियों को परखा गया। अहमदाबाद के सिविल अस्पताल में मोकड्रील का आयोजन किया गया। जिसमें ऑक्सीजन प्लांट वेन्टीलेटर और दवाईयों के स्टॉक का सुप्रीटेन्टेन्ड और अधिकारियों ने निरीक्षण किया। असारवा निर्वाचन क्षेत्र की विधायक दर्शना वाघेला मोकड्रील के वक्त सिविल अस्पताल में मौजूद रहीं। जामनगर के जीजी अस्पताल में मोकड्रील हुई। जिसमें अस्पताल में कोरोना की संभावित स्थितियों से निपटने की तैयारियों का जायजा लिया गया। इस मौके पर जामनगर की सांसद पूनम माडम भी उप-स्थत रहीं। पूनम माडम ने कहा कि हमारी वैक्सीन कोरोना का मुकाबला करने में सक्षम है। अस्पताल में ऑक्सीजन प्लांट भी कार्यरत हैं।

आणंद जिले के 4 स्वास्थ्य केन्द्रों में कोविड मोकड्रील का आयोजन किया गया। आणंद के जनरल अस्पताल में 85 जितने बेड तैयार किए गए हैं और इन सभी बेड पर ऑक्सीजन सप्लाई की जांच की गई। अस्पताल में 500 लीटर प्रति मिनट क्षमता का ऑक्सीजन प्लांट कार्यरत है। प्लांट के अलावा तरल ऑक्सीजन सिलिंडर भी तैयार हैं। अस्पताल के नर्सिंग स्टाफ और डॉक्टरों को विशेष तालीम दी गई है। आणंद शहर के जनरल अस्पताल में कोविड टेस्टिंग सेंटर भी कार्यरत कर दिया गया है। फिलहाल जिले में कोरोना का एक भी केस नहीं है लेकिन कोरोना की किसी भी स्थिति से निपटने को प्रशासन पूरी तरह तैयार है। पंचमहल जिले के गोधरा के सिविल अस्पताल में मोकड्रील के दौरान सीके राउलजी मौजूद रहे। अस्पताल के ऑक्सीजन प्लांट और अन्य सुविधाओं का निरीक्षण करने के बाद सीके राउलजी ने कहा कि कोरोना की संभावित स्थिति से निपटने के लिए सरकार तैयार है और अस्पताल को सभी जरूरतों को पूरा करने को कटिबद्ध है।

मातृभूमि विद्या संकुल में क्रिसमस के दिन तुलसी पूजन किया गया

सूरत भूमि, सूरत। डिंडोली स्थित मातृभूमि विद्या संकुल में क्रिसमस के दिन तुलसी पूजन अर्चन कर क्रिसमस मनाया गया। जिसमें गुजराती मीडियम के आचार्य श्री विष्णु सर ने तुलसी पूजन का महत्व समझाया और बच्चों को कार्यक्रम में बहुत ही अच्छा ज्ञान दिया गया।

वुल्फ सेवन पे प्रस्तुत करता है द फाईनल काउन्टडाउन

सूरत भूमि, सूरत। रॉयल टीन्स के उत्कर्ष जीतेंद्र भगत की वापसी। इवेंट के चिरायु सोमाणी ने वुल्फ सेवन पे प्रेजेंट्स द फाइनल काउंटडाउन नामक एक धमाकेदार थर्टी फर्स्ट पार्टी का आयोजन किया है। वेसु के प्राइम शॉपर्स के पास रिबाउंस में 31 दिसंबर शाम 7 बजे से डीजे चार्ली और डीजे प्रांशु और डीजे ज़ोंबी ब्रदर्स यंगिस्तान को अपनी मदमस्त धुनों और संगीत की मधुरता पर नचाएंगे। पार्टी में 700 से ज्यादा युवा शामिल होंगे। रात 12 बजे आर.के. नासिक ढोल के घेघुर नाद के साथ नववर्ष मनाया जाएगा। पिछले 5 वर्षों से यह समूह थर्टी फर्स्ट पार्टी का सफलतापूर्वक आयोजन कर रहा है। पार्टी से जुड़ने को लेकर युवाओं में खासा उत्साह है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-22 I42 I1, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)